डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 244 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शुक्रवार 20 जून 2025 | मूल्य 2 रुपया

प्रभावी लोगों के दबाव में पहले जैसी नहीं हो जाए मास्टर प्लान की स्थिति...?

सौलह साल बाद शहर की आबादी होगी 06 लाख 80 हजार..?

✻ इसी अनुमान से बनेगा शहर का मास्टर प्लान, 32 गांव होंगे शामिल
✻ सांसद द्वय, जपं अध्यक्ष, नपाध्यक्ष, कलेक्टर की मौजूदगी में हुई बैठक

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। वर्ष 2041 में शहर की जनसंख्या अनुमानित 06 लाख 80 हजार होगी। उसी अनुमान के आधार पर मास्टर प्लान बनाने के लिए गुरुवार को कलेक्टोरेट के सभाकक्ष में बैठक हुई। बैठक में जिम्मेदार आधी अधूरी तैयारियों के साथ शामिल हुए। आश्चर्य की बात यह है कि विभाग व प्रशासन के पास मंदसौर के मास्टर प्लान का कोई खाका ही तैयार नहीं था। लेकिन, आमजन के साथ ही प्रभावी और भूमाफियाओ से सुझाव मांगे गए। हालांकि, लोगों ने सुझाव भी दिए। लेकिन, कुछ लोगों ने कहा कि आपके पास क्या प्लान है, वह बताओ तो हम अपने सुझाव दे और यह बताए कि पहले जो बना था उसमें क्या कमियां है और अब जो बन रहा है, उसमें क्या जोड़ा जा रहा है। मास्टर प्लान पर सवालों की बौछार के बीच अधिकारियों ने दो टूक कहा कि आप अपने सुझाव सात दिनों तक लिखित में दे दीजिए। सवालों की बोछार के बीच अधिकारी यही कहते नजर आए कि अभी प्रारूप बना नहीं है, अब प्रक्रिया शुरू हुई है। ऐसे मेंयह चर्चा चलती रही कि कहीं प्रभावी लोगो के दबाव में इस मास्टर प्लान का हश्र भी पूर्व की तरह ना हो जाए।

बैठक के दौरान आमजन ने कहा कि वर्ष 2012 में मास्टर प्लान खत्म हो गया है। पहले तो इसके लागू करने की डेटलाइन तय हो कि इस तारीख तक हर हाल में तैयार होगा। जो भी प्लान बने उसे सार्वजनिक किया जाए। भविष्य का मंदसौर कैसा होगा, यह शहरवासियों को भी पता होना चाहिए। मास्टर प्लान बनने से हर किसी को पता होगा कि वह होटल या रिसोर्ट अथवा कॉलोनी बना रहा है तो उसे कहां बनाना है।

सुझावो के लिए फेशिलेशन सेंटर बनाए...

मंदसौर विकास योजना 2041 के प्रारूप में आम लोगों के सुझाव के लिए हुई बैठक में सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, कलेक्टर अदिती गर्ग, विधायक विपिन जैन, पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया, नपाध्यक्ष रमादेवी गुर्जर, जनपद अध्यक्ष बसंत शर्मा, उप संचालक नगर एवं ग्राम निवेश विभाग विनीता दृश्यमकर सहित अन्य मौजूद थे। बैठक के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मास्टर प्लान के प्रारूप में आम लोगों के सुझाव आए इसके लिए फेशिलेशन सेंटर स्थापित करें। अगले शुक्रवार तक इसके लिए शिविर लगाए। जो मास्टर प्लान तैयार हो उसे सभी लोगों के बीच पहुंचाया जाए। ग्रीन बेल्ट एरिया तैयार करने का प्लान करें और कांकड़ क्षेत्र में सड़कों के निर्माण का प्लान करें। लोगों के घर व खेत वाले हिस्से को इसमें छोड़े।

रिंग रोड में सभी जगह हो कनेक्टिविटी...

राज्यसभा सांसद गुर्जर ने कहा कि मास्टर प्लान पर हर कोई अपने सुझाव बताए। ड्राफ्ट प्रकाशन से पहले सभी सुझाव दे सकते है। इसके बाद ड्राफ्ट का प्रकाशन होगा। सांसद गुप्ता ने कहा कि मास्टर प्लान में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र को डिजाइन करके किस मद में कितनी भूमि चाहिए इसे स्पष्ट करें। सुझाव के बाद मास्टर प्लान तैयार किया जाए तो रिंग रोड को इस प्रकार लिया जाए, जिसमें सभी दूर से कनेक्टिविटी हो। विधायक जैन ने कहा कि मास्टर प्लान मंदसौर का भविष्य तय करेगा। पर्यटन, पार्किंग से लेकर सभी बिन्दुओं को ध्यान में रख तैयार किया जाए। पूर्व विधायक सिसोदिया ने कहा कि मंदसौर में रिंग रोड की बहुत जरूरत है। जो की 16 किलोमीटर का है। मास्टर प्लान के तहत इसको भी प्लानिंग में लिया जाए। बता दें कि पूर्व में श्री सिसौदिया के सुझाव पर साबाखेड़ा फंटे से अरनिया निजामुद्दिन निकलने वाले रिंग रोड़ का प्रस्ताव बनाया गया था।

यह भी आए सुझाव...

✻ शहर के समीप के ग्रामीण क्षेत्र में प्लान में शामिल हो। यहां जो कृषि के लिए जमीन आरक्षित है, उन्हें अन्य उपयोग के लिए भी की जाए। ✻ इंडस्ट्रीज एरिया के समीप ही ग्रीन एरिया भी विकसित किया जाए। ✻ नए भवन व बहुमंजिला इमारतों में एमओएस का पालन हो और पार्किंग के इंतजाम सुनिश्चित हो। ✻ मल्टीलेवल पार्किंग के साथ शहर में पार्किंग स्थल बनाए जाए। यहीं पर ई वाहनों के लिए चार्जिंग पांईट भी बनाए जाए। ✻ एमआर सड़कों के लिए ऐसे स्थान पर प्लानिंग की जाए, जहां पर किसी के घर-खेत नहीं आए। कांकड़ वाले स्थानों पर प्लानिंग की जाए। ✻ तैलिया तालाब में कॉलोनियों का पानी मिल रहा है। मास्टर प्लान में इसे शामिल किया जाए और तालाब में गंदे पानी को मिलने से रोका जाए। ✻ आम लोगों के जो सुझाव लिए जा रहे है, वह सब सूचीबद्ध हो और ड्राफ्ट का प्रकाशन हो तो सभी को पता चले। सार्वजनिक स्थानों पर प्रकाशन हो। ✻ मास्टर प्लान में हल्का व खसरा नंबर भी प्रकाशित हो, जिससे सभी को पता चले किस भूमि के लिए क्या योजना है। ✻ वर्ष 2035 के लिए बने मास्टर प्लान में क्या कमिया थी, इसमें क्या सुधार किया जा सकता और वर्ष 2041 में क्या बढ़ेगा, यह सार्वजनिक हो। ✻ मंदसौर पशुपतिनाथ लोक के साथ शिवना नदी पर रिवर फ्रंट बनाया जाए। जिससे सौंदर्यीकरण होगा।

इनका कहना..

वर्ष 2041 में 6 लाख 80 हजार शहर की जनसंख्या के मान से मास्टर प्लान तैयार किया जाएगा। इसमें 32 गांवों को शामिल किया जाएगा। पहले 26 गांव शामिल थे। विभागों से मिलने वाले प्रस्ताव के साथ जो सुझाव आ रहे है, उन्हें शामिल करते हुए प्रारूप तैयार किया जाएगा। अभी प्रारंभिक तैयारी चल रही है। सात दिन के बाद फिर से मास्टर प्लान को लेकर बैठेंगे, फिर प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

विनीता दृश्यमकर
टीएनसीपी नीमच

सोने-चांदी में उठा-पटक का दौर जारी

आठ दिन में सोना 1700, चांदी में साढ़े तीन हजार रुपए का उछाल

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। सराफा बाजार में गुरुवार को सोना लगभग स्थिर रहा। मामूली दो सौ रुपए की गिरावट के साथ शाम तक भाव 98 हजार 800 रुपए प्रति दस ग्राम थे। वहीं चांदी के भाव में पांच सौ रुपए की गिरावट दर्ज की गई। एक दिन पहले बुधवार को दो हजार रुपए उछल कर एक लाख 6 हजार 500 रुपए पहुंच गई थी। वहीं टंच चांदी के भाव गुरुवार को एक लाख छह हजार रुपए रहे। दोनों मूल्यवान धातुएं रोज भाव का नया रिकार्ड बना रही है। बीते आठ दिनों में सोना 1700 रुपए प्रति दस ग्राम व चांदी 3800 रुपए प्रति किलो उछली। स्थानीय बाजार में दोनों धातुओं में तेजी की धारण बनी हुई है।

बीते एक साल में सोना-चांदी ने अच्छा खासा रिटर्न दिया है। पिछले वर्ष जून माह के मुकाबले इस वर्ष सोना ने 27 हजार 700 रुपए प्रति दस ग्राम व चांदी 19 हजार रुपए प्रति किलों तेज रही। गत वर्ष जून में सोना 71 हजार 300 से लेकर 72 हजार रुपए प्रति दस ग्राम बिका था। चांदी 87 हजार से 87 हजार 500 रुपए प्रति किलो रही थी। सराफा व्यापारियों के अनुसार वर्तमान दौर में चांदी नया सोना बन गई है। चांदी में निवेशकों का रुझान बढने व औद्योगिक मांग निकलने से वह भी नए स्तर को छू रही है। सोने-चांदी के भाव के उच्चतम स्तर पर पहुंचने से स्थानीय स्तर पर ग्राहकी में असर पड़ा है। अब लोगों का रुझान शादी ब्याह में नकदी की ओर बढ़ने लगा है।

आबकारी उपनिरीक्षक बने सहायक आबकारी अधिकारी, तबादले हुए

भोपाल/मन्दसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। आबकारी विभाग में उपनिरीक्षकों को कार्यवाहक सहायक आबकारी अधिकारी के रूप में पदस्थ करते हुए तबादले किये गये हैं। कु. सुनीता गहलोद को उज्जैन से मन्दसौर स्थानांतरित किया गया है, जबकि मुकेश कुमार खरे को राज्य स्तरीय उड़नदस्ता, भोपाल से मन्दसौर भेजा गया है। इसी तरह विजय कुचेरिया का तबादला देवास से बुरहानपुर किया गया है।

खेल रही बालिका को सांप ने डसा, मौत

पिपलियामंडी, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। गांव डूगलावदा में सर्पदंश से 10 वर्षीय बालिका की मौत हो गई। पिपलिया थाना क्षेत्र के गांव डूगलावदा में घर के आंगन में खेल रही 11 वर्षीय बालिका कुमकुम पिता प्रकाश भील को सांप ने डस लिया। बालिका को एम्बूलेंस से मंदसौर जिला अस्पताल भेजा गया। लेकिन उसे मृत घोषित कर दिया। बालिका कक्षा 5 वीं अध्ययनरत थी। वह अपने नाना धन्नालाल के यहां रह रही थी।

लोकायुक्त की कार्रवाई: 2025 का दूसरा शिकार एसडीएम का बाबू..!

डायवर्सन के लिए मांग रहा था 15 हजार, पांच हजार लेते धराया

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। वर्ष 2025 की बात करें तो लोकायुक्त ने पूरे संभाग में अब तक 15 कार्रवाई की। जिसमें सबसे ज्यादा रिश्वतखोर रतलाम में पकड़े गए। इधर मंदसौर में इस साल की दूसरी कार्रवाई का शिकार बना गरोठ एसडीएम कार्यालय का बाबू। जिसे लोकायुक्त की टीम ने पांच हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए पकड़ा है। डायवर्सन के लिए 15 हजार रुपए की रिश्वत मांगी गई थी। पांच हजार रुपए लेते हुए बाबू को रंगे हाथों उज्जैन लोकायुक्त की टीम ने पकड़ा है।

उज्जैन लोकायुक्त पुलिस ने गरोठ एसडीएम कार्यालय में एक बड़ी कार्रवाई की। एसडीएम कार्यालय के बाबू पंकेश योगी को 05 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। मामला 18 जून को सामने आया। साठखेड़ा गांव के दीपक राठौर ने लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक अनिल विश्वकर्मा को शिकायत दी थी। शिकायत में बताया गया कि एसडीएम के बाबू पंकेश योगी प्लॉट का डायवर्सन करने के लिए 15 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहे हैं। लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक ने इंस्पेक्टर हिना डाबर के माध्यम से शिकायत का सत्यापन कराया। जांच में शिकायत सही पाई गई। इसके बाद योजनाबद्ध तरीके से टीम ने गरोठ एसडीएम कार्यालय में दबिश दी। फरियादी को पांच हजार रुपए देकर भेजा गया। जैसे ही आरोपी बाबू ने रुपए लिए। लोकायुक्त की टीम ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। नोटों की जांच की गई। आरोपी के बाबू पंकेश योगी के खिलाफ केस दर्ज कर गिरफ्तार किया गया। बाद में उसे जमानत पर रिहा किया गया। लोकायुक्त टीम में डीएसपी राजेश पाठक, इंस्पेक्टर हिना डाबर, श्याम शर्मा, इसरार, अनिल अटोलिया, रमेश डाबर और उमेश जाटव शामिल थे।

आंकड़ों पर नजर (वर्ष 2025)
जिले में लोकायुक्त कार्रवाई

रतलाम	05
मंदसौर	02
नीमच	02
उज्जैन	03
शाजापुर	01
देवास	02
कुल	**15**

संभाग में इस साल अब तक 15वीं कार्रवाई, सबसे आगे रतलाम

श्रमायुक्त के बाद बाबू पर कार्रवाई...

इसके पहले इसी साल 21 फरवरी को मंदसौर के सहायक श्रमायुक्त कार्यालय के लिपिक कैलाशचंद्र निनामा को लोकायुक्त ने ट्रैप किया था। इसके बाद यह इस साल की दूसरी कार्रवाई है। जब बाबू को गिरफ्तार किया गया है। इसके पहले पिछले साल ड्रग विभाग, पुलिस, नारकोटिक्स, राजस्व विभाग सहित अन्य जगहों पर भी लोकायुक्त ने कार्रवाई की है। आंकड़ों पर गौर करे तो भ्रष्टाचारी लोकसेवकों की अब तक की कार्रवाई में रतलाम जिला सबसे अव्वल रहा है। लोकायुक्त उज्जैन के अंतर्गत संभाग के सभी जिलों में कार्रवाई का अधिकार होता है। संभाग के सात जिलों में रिश्वतखोरी के केस देखें जाए तो रतलाम में सबसे ज्यादा पांच रिश्वतखोर पकड़ाए जा चुके हैं। दूसरे नंबर पर उज्जैन जिला रहा है। यहां तीन भ्रष्टाचारी पकड़े जा चुके हैं। यही नहीं सबसे ज्यादा पांच मामलों में पटवारी ही धराए हैं। इनमें भी तीन पटवारी रतलाम जिले के ही हैं। दूसरा नंबर ग्राम पंचायतों का रहा है। ग्राम पंचायतों के सहायक सचिव और सचिव ही नहीं सरपंच भी रिश्वतखोरी के मामले में लोकायुक्त के हत्थे चढ़ चुके हैं।

आगर-मालवा में कोई नहीं...

संभाग के सात जिलों में से आगर-मालवा में लोकायुक्त की इन पांच माह में कोई कार्रवाई नहीं हुई है। जबकि, शेष रतलाम, मंदसौर, नीमच, उज्जैन, शाजापुर और देवास में किसी न किसी भ्रष्टाचारी को लोकायुक्त ट्रैप कर चुकी है। देवास जैसे छोटे जिले में दो कार्रवाई हो चुकी।

राजस्व में ज्यादा भ्रष्टाचार...

आमतौर पर राजस्व विभाग से बहुत ज्यादा संख्या में लोग जुड़े रहते हैं। खासकर किसानों की जमीन के मामले राजस्व में पटवारियों के पास ही रहते हैं। यही वजह है कि इस विभाग में सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार देखने को मिला है। दूसरे नंबर पर ग्राम पंचायतों का मामला सामने आया है।

कृषि मंडी मार्ग पर बोहरा कर रहा अतिक्रमण, प्रशासन नींद में..!

✻ 'तारमल स्टील' और 'फखरी प्लाई एण्ड डेकोर' के संचालको ने सड़क पर शुरु किया निर्माण
✻ नाले को दफन कर, कर रहे है अतिक्रमण, मारूती शोरुम पर पहले हो चुकी है कार्यवाही

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। कृषि उपज मंडी के सामने की तरफ एक बोहरा अतिक्रमण कर रहा है। इस जगह पर पहले नाला हुआ करता था। जिसे बंद कर पहले तो दुकाने बना ली गई। अब उन दुकानो के आगे पेड़ लगाने की आड़ में अतिक्रमण किया जा रहा है। इस ओर प्रशासन का ध्यान नहीं है। बता दें कि किसानों की उपज से भरे वाहनों की आवाजाही के चलते इस सड़क पर पहले ही भारी यातायात का दबाव रहता है। इसके बाद भी कुछ व्यापारी अपना हित साधने के लिए सड़क को निगलने का प्रयास कर रहे हैं।

मंडी रोड़ पर फखरी प्लाई एंड डेकोर व तारमल स्टील्स की दुकानो के आगे गड्ढे खोदकर दीवारें खड़ी की जा रही हैं। जिससे इन दुकानों की लंबाई मुख्य मार्ग की ओर बढ़ाई जा सके। स्पष्ट है कि सार्वजनिक रास्ते की ज़मीन को निजी उपयोग में लिया जा रहा है।

बता दें कि पूर्व में भी इस स्थान पर प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जा चुकी है। फिर भी अब दोबारा खुलेआम अतिक्रमण होना प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करता है। जानकारो का कहना है कि इस मामले में एक शिकायत भी प्रशासन के पास पहुंची है। देखना यह होगा कि राजस्व विभाग की टीम कब हरकत में आती है और क्या कार्यवाही होती है?

झमाझम बारिश में बहा नगर पालिका का दावा, अब वक्त है ज़मीनी कार्यों का

विशेष संवाददाता

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। शहर सहित अंचल में गुरुवार सुबह से बारिश होती रही। जिसने एक बार फिर नगर पालिका की तैयारियों की सच्चाई उजागर कर दी। वर्षों से चली आ रही जलजमाव की समस्या पर प्रशासन की अनदेखी अब आम नागरिकों की नाराज़गी और परेशानी का कारण बन चुकी है। मानसून की पहली ही बारिश में शहर के विभिन्न हिस्सों में पानी भर जाना न केवल लचर प्रशासनिक व्यवस्था को दर्शाता है, बल्कि नगर पालिका की ओर से किए गए दावों की भी पोल खोलता है। 'गुरु एक्सप्रेस' ने बुधवार को भी इस मामले को लेकर नपा और प्रशासन को आगाह किया था।

शहर के नयापुरा रोड, धानमंडी, शुक्ला चौक, गांधी चौराहा, बालागंज, और बड़ा अस्पताल रोड जैसे मुख्य क्षेत्रों में भारी जलभराव ने यातायात को बाधित किया और लोगों की दिनचर्या अस्त-व्यस्त कर दी। यह स्थिति दर्शाती है कि शहर का ड्रेनेज सिस्टम या तो पूरी तरह अनुपयोगी हो चुका है या फिर उसकी समय पर सफाई नहीं की गई। नगर पालिका द्वारा बरसात से पहले की गई 'व्यापक सफाई' और 'नालों की मरम्मत' जैसे दावे अब केवल कागज़ी साबित हुए हैं।

मिड इंडिया अंडरब्रिज और गीताभवन क्षेत्र में हुए जलजमाव ने यह भी दिखा दिया कि शहर में ऐसी महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी की जगहों पर भी कोई प्रभावी निकासी व्यवस्था मौजूद नहीं है। सबसे चिंताजनक स्थिति कालाखेत स्थित स्कूल मैदान की रही, जो बारिश में तालाब बन गया। खेल और युवा गतिविधियों के लिए बना यह स्थान बुनियादी संरचना की कमी का शिकार होकर एक प्रतीक बन गया है नगरपालिका की उदासीनता का।

हर साल यही कहानी दोहराई जाती है। बारिश आती है, शहर डूबता है, नागरिक त्रस्त होते हैं और फिर कुछ दिनों की चर्चा के बाद सबकुछ भुला दिया जाता है। लेकिन, अब ज़रूरत है कि इस समस्या को अस्थायी उपायों से नहीं, बल्कि दीर्घकालीन और ठोस कार्य योजनाओं के ज़रिए सुलझाया जाए। बरसाती पानी की सुनियोजित निकासी के लिए ड्रेनेज सिस्टम का वैज्ञानिक विश्लेषण कर उसे पुर्ननिर्मित करना होगा। साथ ही, वर्षा से पूर्व बड़े नालों की समयबद्ध सफाई, अवैध निर्माणों पर रोक और आम नागरिकों को भी कचरा प्रबंधन को लेकर जागरूक बनाना जरूरी है।

थोड़ी सी बारिश में सड़के पानी-पानी

इसके अतिरिक्त, नगरपालिका को पारदर्शिता और जवाबदेही की ओर बढ़ना चाहिए। जो दावे किए जाते हैं, उनकी प्रगति की सार्वजनिक निगरानी होनी चाहिए, ताकि नागरिक यह जान सकें कि उनके टैक्स का उपयोग वास्तव में हो रहा है या नहीं। बारिश केवल मौसम का बदलाव नहीं लाती, बल्कि प्रशासन की असल कार्यकुशलता की भी परीक्षा होती है। मंदसौर की जनता अब और बहकावे नहीं, बल्कि ठोस बदलाव चाहती है। यह नगरपालिका की ज़िम्मेदारी है कि वह जनहित को प्राथमिकता दे, केवल घोषणाएं नहीं, क्रियान्वयन करे। ताकि आने वाले वर्षों में बारिश का आनंद एक मुसीबत नहीं, उत्सव बन सके।

विचार-मंथन

ईरान पर हमले से क्या हुआ हासिल?

इजराइल के लिए ये समय महत्वपूर्ण है। ईरान पहले ही कमजोर हो चुका है। इसकी वजह लेबनान, सीरिया और गजा में उसके सहयोगियों की हार या लगभग सफाया होना है। इसके अलावा बीते साल हुए इजराइली हमलों की वजह से ईरान के वायु रक्षा प्रणाली में काफी कमी आई है। इजराइल के पास अमेरिका में एक साथ देने वाले राष्ट्रपति हैं। इजराइल को इस बात का भी डर था कि ईरान कुछ प्रमुख यूरेनियम संवर्धन उपकरणों को अंडरग्राउंड कर रहा है। ईरान के लिए उसकी धरती पर 1980-1988 के ईरान-इराक युद्ध के बाद से उस पर सबसे बड़ा हमला हुआ है। इजराइल की वायुसेना ने न सिर्फ ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी जगहों को निशाना बनाया, बल्कि ईरान की वायु रक्षा प्रणाली और बैलिस्टिक मिसाइल ठिकानों को भी निशाना बनाया। इन हमलों की वजह से ईरान की जवाबी कार्रवाई करने की क्षमता कम हो गई। इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के लिए काम करने वाले एजेंट्स ने कथित तौर पर सेना और परमाणु कार्यक्रम के प्रमुख व्यक्तियों की सही जगह की जानकारी देने में मदद की। इजराइल का मकसद ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अंकुश लगाना है। इजराइल और कई पश्चिमी देशों को संदेह है कि ईरान छिपकर 'ब्रेकआउट कैपेबिलिटी' पर काम कर रहा है. जिसका मतलब होता है परमाणु हथियार बनाने के रास्ते से वापसी नहीं करना। हालांकि ईरान इस बात से इनकार करता है और हमेशा इस बात पर जोर देता रहा है कि उसका कार्यक्रम एक सिविल न्यूक्लियर कार्यक्रम है, जिसके लिए रूस से मदद मिली है और ये पूरी तरह से शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है। एक दशक से भी ज्यादा समय से इजराइल ईरान की परमाणु तरक्की को धीमा करने और पीछे

धकेलने की कोशिश कर रहा है. इसराइल को इस मामले में कई सफलताएं भी मिली हैं। जैसे कि ईरानी वैज्ञानिकों की अज्ञात हमलावरों ने रहस्यमय तरीके से हत्या कर दी। परमाणु कार्यक्रम के सैन्य प्रमुख ब्रिगेडियर जनरल फखरीजादेह की 2020 में तेहरान के पास एक सूनसान सड़क पर हत्या कर दी गई थी। इससे पहले अमेरिका और इजराइल के साइबर जासूसों ने ईरान के सेंट्रीफ्यूज में एक विनाशकारी कंप्यूटर वायरस डालने में सफलता हासिल की। इसका कोडनेम स्टक्सनेट था और इसकी वजह से ईरान के सेंट्रीफ्यूज उसके कंट्रोल से बाहर हो गए। इस हफ्ते यूएन न्यूक्लियर वाचडाग इंटरनेशनल एटामिक एनर्जी इंटरनेशनल ने पाया कि ईरान अपने अप्रसार दायित्व का उल्लंघन कर रहा है। उन्होंने इस मामले को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को भेजने की चेतावनी दी। ईरान के परमाणु कार्यक्रम में उसके अत्यधिक समृद्ध यूरेनियम पैदा करने को लेकर चिंताएं हैं। इसके लेवल को 60 फीसद तक समृद्ध किया गया है। ये परमाणु ऊर्जा पैदा करने के स्तर से कहीं ज्यादा है, लेकिन बम बनाने के लिए जो लेवल चाहिए उससे कम है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर रोक लगाने के लिए एक समझौता हुआ था। ये 2015 में ओबामा के राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान हुआ। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप ने इसे 'दुनिया का सबसे खराब सौदा' कहा और जब वो राष्ट्रपति बने तो उन्होंने अमेरिका को इस सौदे से बाहर कर लिया। ईरान ने भी 2018 में इस सौदे का पालन करना बंद कर दिया। ईरान से बाहर कोई भी नहीं चाहता है कि उसके पास परमाणु बम हो। इजराइल का मानना है कि ईरान के पास परमाणु हथियार होना उसके अस्तित्व के लिए खतरा है।

साइप्रस यात्रा के जरिए तुर्की को कूटनीतिक जवाब

उमेश चतुर्वेदी

ऑपरेशन सिंदूर के बाद एक टीवी चैनल के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी से पूछा गया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर भारत की कार्रवाई इतनी सटीक क्यों रही? पाकिस्तान की खुफिया सेवा इसे भांप क्यों नहीं पाई, पाकिस्तानी राजनेता और सेना क्यों भारतीय कार्रवाई का अंदाजा नहीं लगा पाए। सवाल खत्म होते ही प्रधानमंत्री ठठाकर हंस पड़े। हंसते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सेना और राजनीति भारत के विपक्षी दलों की ही तरह हैं। जिस तरह वे मेरे बारे में अंदाजा नहीं लगा सकते, कुछ उसी तरह पाकिस्तानी भी अंदाजा नहीं लगा सकते। दिल्ली में केंद्रीय सत्ता संभालने के बाद प्रधानमंत्री मोदी के कदमों को देखिए। हर बार वे चौंकाते रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद जब समूचा विपक्ष भारत सरकार की विदेश नीति की नाकामी को लेकर मोदी सरकार पर निशाना लगा रहा था, प्रधानमंत्री ने साइप्रस की यात्रा करके देश को चौंका दिया है। भूमध्य सागर के द्वीपीय देश साइप्रस की यात्रा का अचानक से ऐलान होना और कनाडा जाते हुए रास्ते में प्रधानमंत्री मोदी का साइप्रस उतरना और वहां के शीर्ष नेताओं से मिलना भारतीय विदेश नीति का चौंकाऊ फैसला ही है। देश के शीर्ष नेताओं की विदेश यात्राएं अरसा पहले से तय होती हैं, उसकी जानकारी राजनीति के साथ ही पत्रकारिता को भी होती है। लेकिन प्रधानमंत्री की साइप्रस यात्रा अचानक से हुई है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने प्रधानमंत्री की साइप्रस यात्रा का 14 मई को अचानक ऐलान किया। साइप्रस की राजधानी निकोसिया में प्रधानमंत्री मोदी ने वहां के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स से बातचीत भी की। ऐसे में सवाल यह उठ सकता है कि साइप्रस की यह अचानक यात्रा क्यों ? इस सवाल के जवाब में एक बार फिर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हुई घटनाओं की

ओर लौटना होगा। याद कीजिए, तब पाकिस्तान ने भारत पर ड्रोन के जरिए सैकड़ों हमले किए थे। उन हमलों को बेशक भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने नाकाम कर दिया। साइप्रस की यात्रा के लिए हमें उन हमलों में इस्तेमाल हुए ड्रोन को देखना होगा। पाकिस्तान ने जिन ड्रोन से हमले किए, ज्यादातर तुर्की में बने सोनगार ड्रोन थे। हवाई हमलों में तुर्की के इन ड्रोन को बेहद मारक माना जाता है। हालांकि वे भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम के सामने बेकार ही साबित हुए। कूटनीतिक हलकों को पता है कि तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप अर्दोआन ने पाकिस्तान को उपलब्ध कराया। अर्दोआन ने पर्दे के पीछे से पाकिस्तान का साथ दिया। इतना ही नहीं, भारत ने जब इस बात को अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने रखा तो अर्दोआन ने ट्वीटर पर 'पाकिस्तान-तुर्की दोस्ती जिंदाबाद' लिखकर एक तरह से भारत के आरोप को साबित कर दिया। इसे भारत को मुंह चिढ़ाना भी कह सकते हैं। यह उस तुर्की का कदम था, जिसे भारत ने दो साल पहले दिल खोलकर मानवीय आधार पर सहयोग दिया था। छह फरवरी 2023 को तुर्की में 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था, उस झटके में तुर्की में 53 हजार लोगों की मौत हो गई थी, हजारों लोग घायल हो गए थे। जान-माल के भारी नुकसान के बाद भारत ने मानवीय सहायता के साथ ही विशेषज्ञों की टीम के साथ बचाव दल भेजा था। राहत के तुर्की पहुंचने वाली टीमों में भारत की टीम भी शामिल थी। तुर्की के राष्ट्रपति ने जब ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान से दोस्ती को जगजाहिर किया तो उसे भारत के लोगों ने भारत के लिए मुंह चिढ़ाना माना। रही-सही कसर पूरी हुई मई के आखिर में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ की तुर्की की यात्रा से। तब भारत के सामने अर्दोआन के रूख को लेकर कोई गुंजाइश ही नहीं रही। तुर्की को लेकर भारतीय समुदाय की सोच अब भी ऐसी ही है। ऐसा नहीं कि पहली बार तुर्की ने भारत के खिलाफ पाकिस्तान का पक्ष लेते हुए ऐसा कदम उठाया है। संयुक्त राष्ट्र संघ समेत कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान के पक्ष में अर्दोआन सहयोगी भूमिका पेश करते रहे हैं। इन वजहों से तुर्की को लेकर भारत में गुस्सा भी बहुत रहा है। कश्मीर के मसले पर तुर्की हर बार पाकिस्तान के साथ ही खड़ा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी का साइप्रस दौरा भारत के उसी गुस्से की अभिव्यक्ति और भारत को मुंह चिढ़ाने के अर्दोआन के प्रयासों का जवाब माना जा सकता है। इसकी वजह है कि साइप्रस और तुर्की के बीच जारी बरसों पुराना विवाद। साइप्रस में यूनानी और तुर्की मूल के लोग रहते हैं। तुर्की के दोनों समुदायों में नस्ली आधार पर विवाद रहा है। साइप्रस में साल 1974 में तत्कालीन सरकार के खिलाफ यूनानी मूल के आतंकी समूहों ने तख्तापलट की कोशिश की। इसे तुर्की ने अपने लोगों के खिलाफ युद्ध माना। इसके बाद तुर्की ने साइप्रस पर हमला कर दिया। इस दौरान तुर्की की सेनाओं ने साइप्रस के दूसरे नंबर के मशहूर शहर वरोशा पर कब्जा कर लिया। यह शहर अपने बहुमंजिला भवनों के लिए प्रसिद्ध रहा है। यहां पूरे साल सैलानी आते रहते थे। लेकिन जब से तुर्की के कब्जे में यह शहर है, सैलानियों के लिए तरस रहा है। तुर्की की सेना के 35 हजार जवान यहां तैनात हैं। इसके बाद से एक तरह से यह द्वीपीय देश दो हिस्सों में बंट गया है। तुर्की के कब्जे वाले इलाके को तुर्की ने राष्ट्र का दर्जा दे रखा है। दिलचस्प है कि इस राष्ट्र के अस्तित्व को तुर्की के अलावा कोई देश स्वीकार नहीं करता। साइप्रस यूरोपीय संघ का भी सदस्य है और एक जनवरी 2026 से वह संघ का अध्यक्ष बनने जा रहा है। भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल रही है। भारत को उम्मीद है कि साइप्रस के अध्यक्ष रहते यूरोपीय संघ और भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौता हो जाएगा। साइप्रस ने कई मौकों पर भारत की संयुक्त राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट की दावेदारी का समर्थन कर चुका है। मोदी ने साइप्रस जाकर दो संदेश देने की कोशिश की है। पहला संदेश तुर्की के लिए है। भारत ने जता दिया है कि वह साइप्रस को सहयोग देगा और साइप्रस से सहयोग लेगा। वैसे भी साइप्रस के आईटी उद्योग और पर्यटन में भारत के हजारों लोग कार्यरत हैं। साइप्रस स्थित भारतीय हाईकमीशन के मुताबिक साइप्रस में साढ़े ग्यारह हजार लोग रहते हैं।

बदलता गांव और लुप्त होती जा रही है लोक संस्कृति...

आशुतोष कुमार

हमारे गांव बदल रहे हैं। यह बदलाव कई स्तरों पर देखा जा सकता है। सड़क और रेलमार्गों से जुड़ जाने पर गांवों में न सिर्फ संपर्क बेहतर हुआ, बल्कि जीवनशैली और ग्रामीण परिवेश भी बदला है। गांवों में बिजली आई, जो अपने साथ रोशनी तो लाई ही, टीवी जैसे उपकरणों का माध्यम भी बनी। सड़क और बिजली ने गांवों को शहरों के समांतर खड़ा होकर बराबरी की ओर बढ़ने की कोशिश में बड़ी भूमिका निभाई। अब गांव वैसे नहीं रहे, जैसे तीन-चार दशक पहले थे। यकीनन, इस बदलाव को सकारात्मक और विकासोन्मुख कहा जाना चाहिए। गांवों के लोगों को भी साधन संपन्न जीवन जीने का उतना ही अधिकार है, जितना शहर के लोगों का, लेकिन बदलाव हमेशा अपने साथ कुछ अवांछित संदर्भ भी लाता है। ये संदर्भ कई बार सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तन के कारक बन जाते है और हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत से दूर ले जाते हैं। गांवों में बिजली आई, तो रोशनी के साथ दुष्प्रभाव भी लाई, जिसके अंधेरे में गांवों की लोक संस्कृति लुप्त होने लगी। बिजली ने गांवों के लोगों की जीवनशैली ही नहीं बदली, बल्कि उनकी सोच में भी बदलाव ला दिया। टीवी ने ग्रामीण जीवन की खिड़की शहर और बड़े नगरों की तरफ खोल दी। रही-सही कसर मोबाइल और इंटरनेट ने पूरी कर दी। ग्रामीण जीवन इससे काफी प्रभावित हुआ। आधुनिकता की होड़ में लोग अपने पारंपरिक रीति-रिवाजों से दूर होते गए। पर्व-त्योहारों से लेकर मांगलिक कार्यक्रमों में भी आधुनिकता इस कदर हावी हो गई कि लोग अपनी परंपराओं को बीते जमाने की बात समझने लगे। एक समय गांवों में हर छोटे-बड़े पर्वों से लेकर विभिन्न मौसमों के भी गीत गाए जाते थे। लोग मौसम को सिर्फ आबो-हवा में परिवर्तन की वजह से ही नहीं, बल्कि मन-मस्तिष्क से भी महसूस करते थे। लोकगीत-संगीत लोगों को पारंपरिक सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का काम करते हैं। लेकिन बदलते समय ने सब कुछ बदल दिया। अब फाग, चैती, बैसाखी, कजरी, बारहमासा और झूला गीत सुनाई नहीं पड़ते। नई पीढ़ी इनकी मिठास से वंचित हो रही है। यही नहीं, गांवों में विभिन्न पर्व-त्योहारों और खास अवसरों पर आयोजित होने वाले लोक नाटक भी आधुनिकता की भेंट चढ़ गए। लोक नाटकों का स्थान आर्केस्ट्रा ने ले लिया।

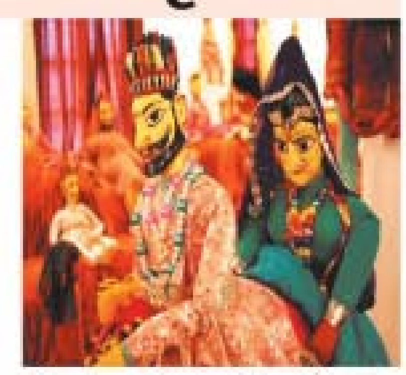

लोक नाटक सिर्फ मनोरंजन के साधन नहीं होते थे, बल्कि सामाजिक समरसता में भी इनकी बड़ी भूमिका होती थी। नाटक का मंच सामाजिक सद्भाव का मंच होता था। आधुनिकता की अंधी दौड़ में लोग आज बहुत आगे निकल गए और पारंपरिक रीति-रिवाज व लोक संस्कृति पीछे छूट गई। गांवों की पाठशाला में बहुत पहले चकचंदा होता था। हालांकि, उस समय और आज के शिक्षा व्यवसाय में आमूल परिवर्तन हो चुका है। तब ज्यादातर स्कूल सरकारी नहीं थे और पाठशाला के गुरुजी को जीविकोपार्जन के लिए उनके शिष्यों से मिलने वाली गुरु दक्षिणा पर ही आश्रित रहना पड़ता था। भाद्रपद चतुर्थी से शुरू होकर दस दिनों तक चकचंदा गांवों में एक उत्सव के रूप में मनाया जाता था, जिसमें विद्यार्थी घर-घर जाकर गणेश वंदना गाते थे और चकचंदा मांगते थे। यह चंदा गुरुजी को आदर के साथ दे दिया जाता था। इससे गुरु का जीविकोपार्जन होता था। चकचंदा को सिर्फ गुरुजी की दक्षिणा के लिए मांगे जाने वाले लोक और पारंपरिक पर्व के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि यह पूरे गांव को समन्वित कर एकता के सूत्र में जोड़ता था। यह सही है कि आज गांवों में सरकारी स्कूल हैं और शिक्षक सरकारी मुलाजिम। कोचिंग संस्थान और निजी स्कूल भी खुल गए हैं। निजी शिक्षण संस्थानों को चकचंदा की राशि नहीं, बल्कि भारी-भरकम ट्यूशन शुल्क चाहिए। इसी तरह भाई-बहनों के अटूट प्रेम का एक पर्व है, सामा-चकेवा। महिलाएं इस पर्व में पारंपरिक मैथिली परिधान पहन कर 'सामा चकेवा' नृत्य करती हैं। इसी तरह बिदापद नाच और जितिया नाच जैसे पारंपरिक उत्सव अब अपने अंतिम दिन गिन रहे हैं। ढोलक की जोरदार थाप के साथ वीर रस से सराबोर आल्हा गायन भी अब पुराने जमाने की बात हो गई है। रामलीला भी अब अतीत के अंधेरे में गुम होती जा रही है।

अन्नदाता की खुशहाली के लिए गैरसरकारी संगठनों को भी निभानी होगी बड़ी भूमिका

इसमें कोई दो राय नहीं कि चुनावों के समय सभी राजनीतिक दलों के केन्द्र में किसान ही रहता है और किसानों के लिए लोकलुभावन वादों की बरसात कर दी जाती है पर कभी इस बात को गंभीरता से नहीं समझा गया कि किसान का भला कर्ज माफी से नहीं हो सकता। केन्द्र सरकार द्वारा विकसित कृषि संकल्प अभियान के माध्यम से जिस तरह से देश के कोने कोने में किसानों तक पहुंचने का प्रयास किया गया है और जिस तरह से खेती और उससे जुड़ी किसानों से संबंधित जानकारी को साझा किया गया है यह इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि अन्नदाता की खुशहाली में ही देष की खुषहाली संभव है। सरकार के साथ ही खेती किसानी क्षेत्र में जुड़े गैरसरकारी संगठन भी आगे आते हैं तो अन्नदाता की खुशहाली की और अधिक तेजी से राह प्रशस्त होगी। हांलाकि मिशन फार्मर साईंटिस्ट परिवार जैसे संगठन नवाचारी किसानों के नवाचारों को पहचान दिलाने और किसानों के हित में लगातार प्रयासरत है। इसमें कोई दो राय नहीं कि चुनावों के समय सभी राजनीतिक दलों के केन्द्र में किसान ही रहता है और किसानों के लिए लोकलुभावन वादों की बरसात कर दी जाती है पर कभी इस बात को गंभीरता से नहीं समझा गया कि किसान का भला कर्ज माफी से नहीं हो सकता। किसान का भला चंद मिनी किट वितरण से नहीं हो सकता। दरअसल अन्नदाता और खेती किसानी का भला किसान के खेत को ही प्रयोगशाला बनाने से संभव होगा तो किसानों को उनकी मेहनत का पूरा पैसा दिलाने से संभव होगा। कैसी बिड़म्बना है कि छोटी से छोटी वस्तु का उत्पादन कर्ता अपनी वस्तु को बेचने का दाम खुद तय करता है वहीं दूसरी और अन्नदाता जो अपने खून पसीने से सबका पेट ही नहीं भरता बल्कि इससे भी अधिक यह कि देश की अर्थ व्यवस्था को गति देने का प्रमुख कारक भी है। इस सबके बावजूद किसान को अपनी उपज औने पोने भावों में बेचने को मजबूर होना पड़ता है। उसकी मेहनत का फल बिचौलियों को चला जाता है। टमाटर इसका सबसे बड़ा उदाहरण माना जा सकता है जो कभी अन्नदाता को रूलाता है तो कभी आमजन को पर कभी भी किसी मण्डी के आढ़तियें को रूलाते नहीं देखा होगा। यहां तक देखने को मिलता है कि अन्नदाता को लागत तो दूर मण्डी में ले जाने तक के खर्च की राशि भी नहीं मिल पाती है। टमाटर तो एक उदाहरण मात्र है। इसमें कोई दो राय नहीं कि पिछले 11 साल में किसानों के हित में बड़े और लाभकारी निर्णय किये गये हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि या फसल बीमा जैसी योजनाएं और फसल की बुवाई से पहले ही न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा निश्चित रुप से सराहनीय पहल है। हालिया 15 दिन का विकसित कृषि संकल्प अभियान को भी निश्चित रुप से सराहनीय पहल माना जा सकता है। इस सबके बीच सवाल यह भी उठता है कि देष में बहुत से प्रगतिशील और अपने बल बूते पर खेती के क्षेत्र में नवाचारों को फलीभूत कर रहे हैं उनको प्रोत्साहित करने के प्रयास भी होने चाहिए। हांलाकि कृषि पत्रकार और मिशन फार्मर साईंटिस्ट परिवार के माध्यम से लगातार ऐसे कर्मयोगी किसानों को आगे लाने, प्रोत्साहित करने और उनके प्रयोग को अन्य किसानों के सामने के समग्र प्रयास डॉ. महेन्द मधुप जैसे कर्मयोगी द्वारा लगातार किये जा रहे हैं। डॉ. मधुप 2017 से इस मॉडल को किसान वैज्ञानिकों की जीवनशैली में उतारकर, देश-विदेश में उनकी पहचान को विस्तारित करने में जुटे हैं, इसे सकारात्मक पहल माना जा सकता है। देश का मीडिया भी इसे लेकर गंभीर है।

आज का राशिफल

मेष : [illegible]

वृषभ : [illegible]

मिथुन : [illegible]

कर्क : [illegible]

सिंह : [illegible]

कन्या : [illegible]

तुला : [illegible]

वृश्चिक : [illegible]

धनु : [illegible]

मकर : [illegible]

कुंभ : [illegible]

मीन : [illegible]

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5632

6			4	2				
8		4	9				7	3
3						4	5	
			8	7			9	
	8						2	
	3			6	1			
	2	5						7
9	6				5	8		2
				3	9			4

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5631

3	5	8	9	1	6	2	4	7
4	6	2	7	5	3	1	9	8
1	9	7	4	8	2	5	3	6
8	4	9	1	6	7	3	5	2
7	1	5	2	3	4	8	6	9
2	3	6	8	9	5	4	7	1
9	2	3	5	7	1	6	8	4
5	8	1	6	4	9	7	2	3
6	7	4	3	2	8	9	1	5

वर्ग पहेली 5632

संकेत: बाएं से दाएं
1. 2000 को ओलंपिक में यहां 27 वें ओलंपिक खेलों का शुभारंभ हुआ (3)
3. इस देश को [illegible] कहा जाता था (4)
6. समय का अत्यंत छोटा भाग (2)
7. राष्ट्र, देश, मुल्क (3)
10. पुरानी फिल्मों के प्रसिद्ध गीतकार जिनका मूल नाम अब्दुल हयी था (6)
15. सिक्खों धर्मगुरु यह कहलाते है (2)
16. [illegible], स्वर्ण (3)
17. प्रकार, जैसा, आभूषण (3)
19. मशगूल, काम में लगा हुआ (2)
20. देह, शरीर, काया, बदन (2)
21. सुगमता, आसानी, सुख, चैन (3)
22. यह नार्डिक देशों में सबसे बड़ा देश जिसकी राजधानी स्टाकहोम है (3)
23. पूर्ति साधन, वह जो किया जाए (2)

संकेत: ऊपर से नीचे
1. सेनाध्यक्ष, सेनानी, कमांडर, सेनापति (6)
2. कश्मीर की प्रसिद्ध झील (2)
3. हजरत मुहम्मद की छंदोबद्ध स्तुति (2)
4. मछली, मत्स्य, बारह राशियों में से एक (2)
5. एक पहर, तीन घंटे का समय (2)
8. मयूर, हमारा राष्ट्रीय पक्षी (2)
9. इस देश की राजधानी मैड्रिड है (2)
11. अविवेक, मूढ़ता, नासमझी, विवेकहीनता (4)
12. देखना (अंग्रेजी), [illegible] (2)
13. शास्त्रीय संगीत में तबले आदि का बोल (2)
14. हिमालय के पर्वतीय क्षेत्र में पाया जाने वाला एक जंगली बैल (2)
18. विद्वान व्यक्ति, ज्ञानी (3)
19. प्रक्षालनकर्मी, प्रक्षालक, मैले वस्त्र साफ करने वाला (3)
21. हुनर, कला, आर्ट, गुण (2)

वर्ग पहेली 5631 का हल

पंप हाऊस संचालन में लापरवाही, जल भराव का कारण बनी

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। नगर पालिका के पूर्व नेता प्रतिपक्ष तरुण खींची ने प्रेस वक्तव्य में बताएं कि आज 19 जून को मंदसौर शहर में पहली बार ठीक-ठाक वर्षा हुई। इस वर्ष के कारण नगर के निचले क्षेत्रों में भयंकर जल भराव की स्थिति देखने को मिली यदि कुछ समय और तेज वर्षा होती तो मंदसौर शहर के निकले क्षेत्र जैसे उतारा धानमंडी, पतासी गली, सम्राट मार्केट, बस स्टैंड, जैसे क्षेत्र में बाढ की स्थिति निर्मित हो जाती। यह तो ईश्वर की कृपा रही की बारिश रुक-रुक कर आती रही नहीं तो मंदसौर शहर में वर्ष 2019 की बाढ जैसी हालत देखने को मिलते। थोड़ी सी वर्षा में शहर के निचले क्षेत्रों में जल भराव होना नगर पालिका की एवं मंदसौर शहर के दोनों नए पंप हाउस संचालन में कमी को उजागर करता है। मंदसौर नगर पालिका ने इन दो नए पंप हाउस को बनाने वाली एजेंसी को संचालन की जिम्मेदारी दी है यह कंपनी अपनी जिम्मेदारी सही तरीके से निर्वहन नहीं कर रही है जिसके कारण आगामी समय में मंदसौर शहर के निचले इलाकों में बाढ के हालात देखने को मिल सकते हैं इसके कारण धान मंडी पतासी गली सम्राट मार्केट बस स्टैंड सहित कई इलाकों में व्यापारियों एवं आम लोगों को आर्थिक हानि उठानी पड सकती है। खानपुरा क्षेत्र राजीव कॉलोनी शांति विहार कॉलोनी अशोक नगर नारायण नगर ईदगाह के पीछे वाली निचली बस्ती में भी पंप हाउस के समय पर नहीं चलने के कारण बाढ आ सकती है। नगर पालिका को चाहिए कि वे दोनों पंप हाउस का संचालन ठीक प्रकार से वह समय पर करावे और यदि पंप हाउस का संचालन सही तरीके से नहीं हो रहा है तो निर्माण करने वाली एजेंसी का अनुबंध निरस्त करें।

अंतर्राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम दिवस पर 27 को रतलाम में होगा एमपी राइज-2025

मध्यप्रदेश में निवेश, कौशल विकास और स्वरोजगार के नए आयाम स्थापित होंगे

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को राज्य की आर्थिक प्रगति का प्रमुख आधार मानते हुए 27 जून को अंतर्राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम दिवस पर रतलाम के शहीद स्मारक मैदान में रीजनल इंडस्ट्री, स्किल एंड एम्प्लॉयमेंट कॉन्क्लेव - एमपीराइज-2025 का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम प्रदेश में औद्योगिक निवेश, कौशल विकास और स्वरोजगार को एक साथ संवर्धित करने का समग्र मंच प्रस्तुत करेगा। इस समेकित पहल से मध्यप्रदेश में निवेश, कौशल विकास और स्वरोजगार के नए आयाम स्थापित होंगे और राज्य की आर्थिक प्रगति को स्थाई व समावेशी दिशा मिलेगी।

प्रदेश में औद्योगिक बुनियादी ढाँचे के विस्तार के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। तीन नए हवाई अड्डे के निर्माण के साथ मध्यप्रदेश अब आठ परिचालन एयरपोर्ट्स वाला राज्य बन गया है। इंदौर मेट्रो सेवा ने यातायात के स्वरूप को बदल दिया है, वहां भोपाल मेट्रो के शीघ्र प्रारंभ से राजधानी में सार्वजनिक परिवहन और भी सुदृढ होगा। फ्लायओवर, औद्योगिक कॉरिडोर तथा राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों के विकास से कनेक्टिविटी व्यापक रूप से सुदृढ हुई है, जिससे उद्यमियों और निवेशकों को बेहतर सुविधा और त्वरित पहुंच सुनिश्चित हो सकी है। एमपी राइज-2025 कॉन्क्लेव में औद्योगिक इकाइयों का भूमि-पूजन एवं औद्योगिक पार्कों तथा कौशल प्रशिक्षण केंद्रों का लोकार्पण होगा। साथ ही विभागों और उद्योग जगत के प्रतिनिधि एमओयू के माध्यम से निवेश प्रस्तावों को तेजी से कार्यान्वित करने की दिशा में प्रतिबद्धता व्यक्त करेंगे। इस अवसर पर चयनित युवाओं को जॉब-ऑफर लेटर प्रदान किए जाएंगे तथा महिला उद्यमियों और ग्रामीण स्वरोजगार समूहों को प्रारंभिक पूंजी सहायता वितरित की जाएगी, जिससे वे अपनी व्यवसायिक योजना को तुरंत अमल में ला सकें। कॉन्क्लेव में नवीनतम तकनीकी और व्यावसायिक प्रशिक्षण योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी जाएगी और हितग्राहियों के साथ संवाद किया जाएगा। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट एवं जीआई टैग वाले स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी में प्रत्येक जिले के प्रतिष्ठित उत्पाद का प्रदर्शन किया जाएगा, जिससे क्षेत्रीय नवाचार और गुणवत्ता को व्यापक पहचान मिलेगी। वन-टू-वन सत्रों में प्राइवेट सेक्टर, तकनीकी संस्थान एवं वित्तीय समूह मुख्यमंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ निवेश व सहयोग के नए अवसरों पर विस्तार से चर्चा करेंगे। रतलाम के बाद एमपी राइज-2025 कॉन्क्लेव छिंदवाड़ा, मुरैना और सतना में भी होगा। कॉन्क्लेव से प्रदेश के प्रत्येक जिले को उसकी विशिष्ट औद्योगिक पहचान के अनुरूप विकास के समान अवसर मिलेंगे।

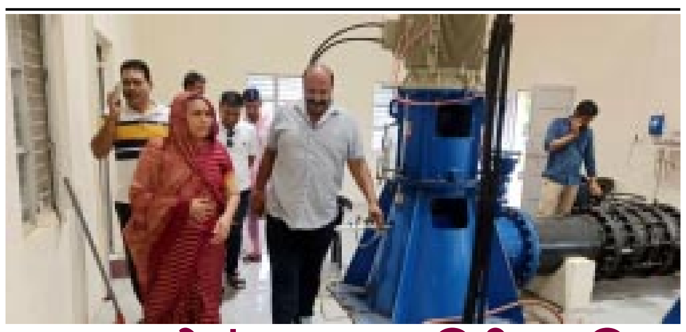

नपाध्यक्ष ने पंप हाउस का निरीक्षण किया

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने गुरुवार को नगर पालिका के अधिकारीगणों कर्मचारीगणों के साथ नगरपालिका के दोनों पंप हाउस का निरीक्षण किया गुरुवार को नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर प्रातः काल वर्षा का दौर शुरू होते ही दोनों पंप हाउस पर पहुंची और यहां पंप हाउस के संचालन के संबंध में मौके पर उपस्थित कर्मचारियों से चर्चा की नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने नगर पालिका के अधिकारीगणों कर्मचारीगणों को निर्देश दिया कि वह वर्षा होने के दौरान पंप हाउस पर अतिरिक्त सतर्कता बरते और समय पर पंप चालू करें तथा वर्षा की स्थिति अधिक होने पर पूरी सतर्कता रखते हुए पंप हाउस का संचालन किया जाए ताकि नगर के निचले क्षेत्र में जल भराव नहीं हो नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने धान मंडी वह किला पंप हाउस दोनों को देखा तथा पंप हाउस के संचालन कार्य में लगे कर्मचारियों से चर्चा की इस अवसर पर नगर पालिका जल कार्य समापति निलेश जैन जन कार्य समिति सदस्य कमलेश सिसोदिया सुनीता भावसार गोवर्धन कुमावत भाजपा नेता राजेश गुर्जर भी साथ थे

सक्षम संगठन ने नेत्रदान व चिकित्सा के क्षेत्र में देश में कीर्तिमान स्थापित किया-पाण्डेय

सक्षम जिला इकाई ने बनाया अपना स्थापना दिवस

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। सक्षम की जिला इकाई मंदसौर ने अपना स्थापना दिवस संघ कार्यालय केशव नगर मंदसौर में मनाया। मुख्य अतिथि के रूप में दिव्यांगता के लिए कर्मठता से कार्य करने वाली शिक्षिका संजीवनी शिंदे तथा मुख्य वक्ता सक्षम मालवा प्रान्त के श्री रविंद्र पाण्डेय उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में 25 दिव्यांग बंधु तथा 20 सक्षम मित्र उपस्थित हुए।

कार्यक्रम मुख्य वक्ता श्री पाण्डेय ने संबोधित करते हुए कहा वर्तमान में सक्षम संगठन संपूर्ण भारत में दिव्यांगों के हित कार्यों के साथ-साथ नेत्रदान व चिकित्सा के क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित कर रह रहा है। तीर्थराज प्रयाग में महाकुंभ मे बहुत बड़ा नेत्र महाकुंभ लगाया जिससे लाखों श्रद्धालुओं को नेत्र चिकित्सा का लाभ मिजा। जिसकी पुरे देश में प्रशंसा हो रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी मन की बात में सराहना की। महाकुंभ में लाखों लोगों के आंखों की चिकित्सा की गई व चश्मो का मुक्त में वितरण किया गया। इसी तरह 1 अगस्त से 2 सितंबर तक लोक देवता बाबा रामदेव नेत्र कुंभ 2025 तहसील पोकरण जिला जैसलमेर में आयोजित किया जा रहा है जिसमें लाखों लोगों को मुफ्त में चश्मा व मोतियाबिंद ऑपरेशन करने का लक्ष्य है ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभ लेना चाहिए। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण देवेंद्र झाला द्वारा स्वरचित सक्षम गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का वृत्त प्रांतीय महिला आयाम प्रमुख डॉ. अलका अग्रवाल ने रखा। तथा भव्यराज सिंह द्वारा बहुत सुंदर गीत द्वारा सभी का मन मोह लिया गया। कार्यक्रम जिन दिव्यांग बांधो द्वारा सामाजिक क्षेत्र एवं व्यक्तिगत क्षेत्र में विशेष उपलब्धियां प्राप्त की गई है उनके अनुभव भी सुने गए सक्षम इकाई मंदसौर के माध्यम से स्थापना दिवस पर जिला युवा इकाई का भी विस्तार किया गया जिला युवा इकाई के प्रमुख श्री अनिल राठौड़ के माध्यम से नई पीढ़ी को आगे आने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में दिव्यांग साथियों के अतिरिक्त मुख्य रूप से समिति के कोषाध्यक्ष के.जी. उपाध्याय, समिति के उपाध्यक्ष मुकेश गुप्ता, राजाराम कुमावत, निलेश माली, देवेंद्र झाला, राहुल पाटीदार, दीपक व अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में दूरस्थ स्थानों से दिव्यांग बंधु उपस्थित हुए जो की एक सराहनीय कदम कहा जा सकता है । स्थापना दिवस कार्यक्रम में नए सक्षम मित्र जुड़े जिनका स्वागत किया गया तथा समस्त दिव्यांग बंधुओं को प्रतीकचिन्ह देकर के सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला इकाई की सचिव निवेदिता नाहर ने किया।

हत्या को एक्सीडेंट बताने पर भड़के ग्रामीण, 20 को होगा घेराव

पिपलियामंडी, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। काचरिया चन्द्रावत गांव के युवक की संदिग्ध हालात में मौत के मामले में अब तक कार्रवाई नहीं हुई। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया था। पुलिस ने इसे एक्सीडेंट बताया। विरोध में ग्रामीण 20 जून को प्रतापगढ़ एसपी कार्यालय का घेराव करेंगे। ग्रामीणजन किसान नेता श्यामलाल जोकचंद के नेतृत्व में दोपहर 12 बजे प्रतापगढ़ अम्बेडकर सर्किल पर एकत्र होंगे। इसके बाद रैली के रूप में एसपी कार्यालय पहुंचेंगे। काचरिया चन्द्रावत निवासी सुरेशचंद बावरी ने बताया कि 11 जून को बेटे प्रकाशचंद के मोबाइल पर धमकी भरे कॉल आए थे। वह पिपलियामंडी जाने की कहकर निकला था। कॉल रिकॉर्डिंग परिजनों के पास सुरक्षित है। उसी रात दो बजे प्रकाश के साले जसवंत ने फोन कर बताया कि प्रकाश गड्ढे में गिरा। सिर में चोट लगी। अस्पताल लाए, जहां उसकी मौत हो गई। परिजनों ने छोटीसादड़ी थाने में आवेदन देकर हत्या कर एक्सीडेंट का रूप देने का आरोप लगाया। आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। लेकिन पुलिस ने अब तक कोई कदम नहीं उठाया। छोटीसादड़ी पुलिस इसे एक्सीडेंट मान रही है।

उच्च शिक्षा संस्थानों में 5 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने प्रवेश के लिए कराया पंजीयन

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। उच्च शिक्षा विभाग अंतर्गत महाविद्यालयों में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं एनसीटीई पाठ्यक्रमों में सत्र 2025-26 की प्रवेश प्रक्रिया के प्रथम चरण में अब तक लगभग 1 लाख 33 हजार विद्यार्थियों ने प्रवेश प्राप्त किया है। इनमें एनसीटीई पाठ्यक्रमों में लगभग 14 हजार विद्यार्थियों ने प्रवेश प्राप्त किया है। स्नातक के लिए लगभग 90 हजार एवं स्नातकोत्तर के लिए लगभग 30 हजार विद्यार्थियों ने प्रवेश शुल्क जमा कर दिया है। कुल 1 लाख 20 हजार विद्यार्थियों ने उच्च शिक्षा संस्थानों में अपना प्रवेश शुल्क जमा कर दिया है। उच्च शिक्षा विभाग अंतर्गत पिछले वर्ष सत्र 2024-25 प्रथम चरण में स्नातक एवं स्नातकोत्तर में 96 हजार विद्यार्थियों एवं एनसीटीई पाठ्यक्रमों में लगभग 11 हजार, इस प्रकार कुल 1 लाख 7 हजार विद्यार्थियों ने उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रवेश प्राप्त किया था। पिछले वर्ष की तुलना में सभी पाठ्यक्रमों में प्रथम चरण में प्रवेश संख्या में वृद्धि हुई है। द्वितीय चरण के पंजीयन के लिए बुधवार अंतिम तिथि थी, पंजीयन के अंतिम दिन शाम 6 बजे तक लगभग एक लाख विद्यार्थियों ने पंजीयन कर लिया है। इसमें स्नातक में लगभग 55 हजार, स्नातकोत्तर में 23 हजार, एवं एनसीटीई पाठ्यक्रमों में लगभग 20 हजार विद्यार्थियों ने द्वितीय चरण में पंजीयन कराया है।

पश्चिम के कुसंस्कार भारत के सुसंस्कारों को बिगाड़ नहीं सके इसके लिये सचेत रहना होगा-भीमाशंकर शास्त्री

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। पश्चिम की हवा पानी को उड़ा देती है। पश्चिम में फाल्गुन मास चलने वाली हवा कुओं के पानी को सूखा देती है। इसी प्रकार पश्चिम के कुसंस्कार पूर्व के विश्व गुरू कहलाने भारत के सुसंस्कारों को बिगाड़ रहे है। हमको इससे सतर्क और सचेत रहना होगा।

प्राचीन भारतीय पहनावा धोती कुरता सिर पर साफा पगड़ी शान समझा जाता था। बाद में मुगलों के अवैध प्रवेश से धोती का स्थान पायजामा ने, साफा पगड़ी का स्थान टोपी ने लिया। यह तो भगवान की कृपा है ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी धोती कमीज साफा पगड़ी का प्रचलन है। कुटील अंग्रेजों के समय से पेंट टी शर्ट खुला सिर हो गया परन्तु अब तो हालत उल्टी हो गई है। पेंट का स्थान जिंस ने ले लिया है और भी जो विसंगतियां है सर्वविदित है। हमारा प्रयास यह होना चाहिये हमें कुंसस्कारों से बचे और भारत के सनातन सुंस्कारों को अपनाये। सम्पूर्ण विश्व की नजर भारत की ओर

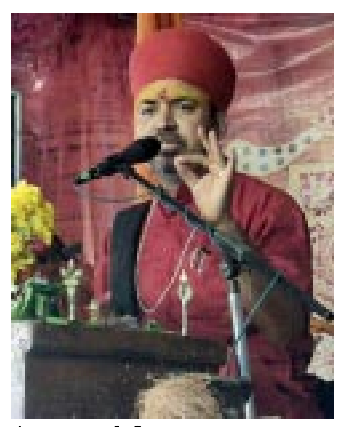

है- सम्पूर्ण विश्व आज एक तरफ आतंकवाद का दंश दूसरी तरफ युद्ध की विभीषिकाओं से किस प्रकार उलझ रहा है इससे किस प्रकार उबरा जाये समझ नहीं पा रहा है। कहीं आशा की कोई किरण दिखाई दे रही है तो वह है एक मात्र भारत। एक दिन वह भी होगा जब यू.एन.ओ. भारत में होगा। सम्पूर्ण विश्व भारत की भाषा का अनुयायी बनकर भारत के शास्त्रों ने वसुधैव कुटुम्बकम का जो मंत्र दिया है उसका अनुसरण करेगा। भारत का विज्ञान समृद्ध है- सिंदूर ऑपरेशन में भारत के ब्रह्मोस्त्र ने जो करिश्मा दिखाया उसका लोहा विश्व मान चुका है। मध्य रात्रि 12 बजे के अंधेरे से नहीं बल्कि भारत में सूर्योदय से तारीख का प्रचलन निर्धारण हो जाये तो कोई आश्चर्य नहीं होगा। कथा में स्थानीय ग्रामवासी श्रोताओं के अलावा प्रतापगढ, राजस्थान आदि स्थानों से सैकड़ों श्रोताओं ने कथा श्रवण का लाभ लिया। संचालन पूर्व जनपद और जन अभियान सदस्य गोपाल गुजरिया ने किया। व आभार गौशाला अध्यक्ष योग गुरु बंशीलाल टांक ने माना।

यश पाटीदार का मप्र के सबसे बड़े क्रिकेट टूर्नामेंट के लिये हुआ चयन

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेसें यूनिक क्रिकेट अकादमी मंदसौर के होनहार खिलाड़ी यश पाटीदार का चयन इंदौर पिंक पैंथर क्रिकेट टीम हेतु हुआ है। यह टीम ग्वालियर के माधवराव सिंधिया अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में आयोजित हो रहे मध्यप्रदेश क्रिकेट के सबसे बड़े क्रिकेट टूर्नामेंट अडानी मध्यप्रदेश क्रिकेट लीग सिंधिया कप में खेलेगी। यश पाटीदार का चयन इस टूर्नामेंट के लिये होना मंदसौर नगर के क्रिकेट खिलाड़ियो के लिये गौरवपूर्ण है।

अकादमी के कोच निलेश खोखर ने बताया कि यश पाटीदार विगत 7 वर्षों र्से यूनिक क्रिकेट अकादमी में क्रिकेट का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है। यश पाटीदार ने अपने कठिन परिश्रम, अनुशासन, समर्पण और असाधारण खेल कौशल के बलबूते पर यह मुकाम हासिल किया है। उनकी उपलब्धि आज के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत है। यश पाटीदार पूर्व में बीसीसीआई द्वारा आयोजित अण्डर 19 कूच बिहार ट्रॉफी, विन्नू मांकड़ ट्रॉफी में मध्यप्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व कर अपनी खेल प्रतिभा का जोहर दिखा चुके है। यश पाटीदार ने बताया कि यह सफलता उनके परिवार, कोच और साथी खिलाड़ियों से मिले सहयोग का प्रतिफल है जिन्होंने उन्हें इस सफर में साथ दिया। जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष मुकेश काला, चैयरमेन डॉ. एस.एस. भाटी, रशीद खान, सचिव आदित्यसिंह चौहान, उपाध्यक्ष हमीद खान, खलील शेख, कोषाध्यक्ष मनोज जैन, सहसचिव नवीन खोखर, कार्यकारिणी सदस्य राजू अखेरिया, शाहीद खान, दीपक बड़सोलिया, कुलदीपसिंह सिसौदिया, आकाश गौड़, संदीपसिंह राठौर, ब्रजेश सेन मारोठिया, धर्मेन्द्रसिंह सौलंकी, देवेन्द्र बैरागी, मुकेश कुमावत, पिंकेश गुरबक्शानी, पीयूष जैन, आमीन चौधरी, शैलेन्द्र श्रीवास्तव, आशीष जैन, नवीन मावर, जिला खेल अधिकारी खेल एवं युवक कल्याण विभाग विजेन्द्र देवड़ा यूनिक क्रिकेट अकादमी के हिम्मत डांगी, गौरव अग्रवाल, राहुल डबकरा, आकाश गाजवा, नैहिल डांगी, दीपकसिंह चन्द्रावत, मिहिर सौलंकी, वेदांत व्यास आदि क्रिकेट प्रेमियों ने यश को बधाई देते हुए उसके उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी है।

गांवों में आज विभिन्न गतिविधियों का आयोजन

नीमच, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत जिले में चिन्हित जनजातीय बाहुल्य ग्रामों तथा दुरस्थ बस्तियों में 20 जून 2025 को छठे दिन आयोजित होने वाले शिविरों में हितग्राहियों को कौशल विकास योजनाओं से जोड़ने के लिए आवेदन पत्र प्राप्त कर लाभान्वित किया जावेगा। जिले के चयनित 17 ग्रामों में गुरूवार को आयोजित शिविरों में 139 ग्रामीणजन उपस्थित हुए। इनमें से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि हेतु 24 आवेदन पत्र, वन अधिकार पत्र धारको को कृषि विभाग की योजनाओं से जोड़ने हेतु 12 आवेदन पत्र तथा अन्य योजनाओं में 11 आवेदन पत्र प्राप्त हुए है, जिनका निराकरण किया जा रहा है।

उमंग कार्यक्रम से 21 लाख छात्र-छात्राओं को मिला फायदा

स्कूल शिक्षा विभाग और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के सहयोग से चल रहा है कार्यक्रम

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश के विद्यालयों में अध्ययनरत लगभग 21 लाख छात्र-छात्राओं को उमंग कार्यक्रम से फायदा मिला है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में उमंग कार्यक्रम स्कूल शिक्षा विभाग और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संयुक्त रूप से संचालित कर रहे हैं। उमंग कार्यक्रम शासकीय हाई और हायर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत किशोर और किशोरियों के जीवन-कौशल को विकसित करने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है।

उमंग कार्यक्रम प्रदेश के 9 हजार 306 शासकीय हाई और हायर सेकेण्डरी स्कूलों में चल रहा है। इस कार्यक्रम से किशोर-किशोरियों को सामाजिक कुप्रथा बाल विवाह, जेण्डर असमानता, दहेज जैसी बुराइयों के प्रति सजग और संवेदनशील बनाना है। कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवाओं जैसे आयरन फोलिक टेबलेट, सेनेटरी पैड, स्वास्थ्य जाँच, स्वच्छ एवं सुरक्षित प्रबंधन तकनीक की जानकारी के साथ विद्यालयों को तम्बाखू मुक्त बनाना है।उमंग कार्यक्रम के बेहतर क्रियान्वयन के लिये 52 राज्य स्तरीय, 427 जिला स्तरीय प्रशिक्षकों को और जिला स्तर पर प्रत्येक स्कूल से 2 शिक्षकों को प्रशिक्षण दिलाया जा चुका है। कार्यक्रम में कक्षा-9 से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं के लिये उनकी आयु अनुरूप पृथक-पृथक उमंग मॉड्यूल का निर्माण भी किया गया है। मॉड्यूल में यौन उत्पीड़न, कम उम्र में विवाह, घरेलू हिंसा के साथ साइबर सेफ्टी जैसे गंभीर मुद्दों को शामिल किया गया है। उमंग कार्यक्रम के उज्वल मॉड्यूल के अंतर्गत छात्रों में बालिकाओं और महिलाओं के प्रति

सम्मान विकसित करने के उद्देश्य से यूएनएफपीए के सहयोग से पोस्टर निर्मित किये गये हैं। यह पोस्टर नारी के प्रति सम्मान की भावना पैदा करने में बहुत ही सहायक सिद्ध हो रहे हैं। इन मुद्दों को पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिये जेण्डर संवेदीकरण पर आधारित प्रशिक्षण मॉड्यूल को भी तैयार किया गया है।

11वां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन कल, सामूहिक योग के कार्यक्रम होंगे

नीमच, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। राज्य शासन द्वारा 11वां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2025 को आयोजित करने के संबंध मे निर्देश जारी किये गये है। जारी आदेश में अन्तराष्ट्रीय योग दिवस के लिए जिले की समस्त संस्थाओं को प्रेरित किया जायेगा, सभी कार्यक्रम आयोजकों को अपना पंजीयन कराना होगा। पंजीयन लिंक https://yoga.ayush.gov.in/yoga-sangam पर होगा।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का कार्यक्रम जिले के पंचायत मुख्यालयों तथा पंचायत के अन्य ग्रामों एवं सभी नगरीय निकायों मुख्यालय एवं समस्त वार्डो में जनप्रतिनिधियों के सहयोग से कराया जायेगा। योग दिवस के कार्यक्रम के लिए भारत सरकार द्वारा योग निर्धारित प्रोटोकॉल अनुसार आयोजन होगा। कार्यक्रम के लिए जिले में पंतजलि योग संस्थान, श्रीरामचंद्र मिशन हार्टफुलनेस संस्थान, जन अभियान परिषद, म.प्र.योग आयोग एवं अन्य सहयोगी संस्थाओं से संबद्ध योग इन्स्ट्रक्टर, योगा वालेंटियर उपलब्ध है, जिनकी सूची पृथक से आयुष विभाग द्वारा प्रदाय की जायेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव का 21 जून के योग दिवस कार्यक्रम में उद्बोधन का सीधा प्रसारण प्रदेश के समस्त ग्रामों एवं वार्डो में कराया जायेगा। कार्यक्रम सुबह 6 बजे से 7.45 बजे तक आयोजित किया जाएगा। जिसका प्रसारण लिंक म.प्र. जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रदाय किया जायेगा। सभी जिलों में उपलब्ध योग प्रशिक्षक एवं वालेंटियर्स को ट्रेंनिग कराने के लिए आयुष विभाग द्वारा ट्रेनिंग मॉडयूल तैयार किया गया है जिसके माध्यम से दिनांक 19 एवं 20 जून को ऑनलाइन ट्रेनिंग की व्यवस्था की जाएगी। योग दिवस कार्यक्रम के लिए जिले में योग आयोजन कराने वाली संस्थाओं का अधिकाधिक पंजीयन कराया जाना है। जिले के समस्त शासकीय सेवको को योग दिवस के नजदीकी कार्यक्रम में सहभागिता के लिए प्रेरित किया जायेगा।

जिले में अब तक औसत 61.05 मिमी वर्षा दर्ज

नीमच, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। जिले में चालू वर्षाकाल में अब तक औसत 61.05 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। जबकि गत वर्ष इस अवधि में औसत 28.1 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई थी। अधीक्षक भू अभिलेख नीमच से प्राप्त8 जानकारी के अनुसार जिले में एक जून से इस वर्ष अब तक नीमच में 53 मि.मी., जावद में 80 मि.मी., सिंगोली में 47.2 मि.मी. एवं मनासा में 64 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई हैं। जबकि गत वर्ष इस अवधि में नीमच में एक मि.मी.जावद में 77 मि.मी. एवं मनासा में 6 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है।

स्वीकृत निर्माण कार्य तय समय सीमा में पूर्ण करवाएं-चंद्रा

कलेक्टर ने की नगरीय निकायों के विभागीय कार्यो की प्रगति की समीक्षा

नीमच, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यंक्षता में गुरूवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में नगरीय निकायों की पेयजल प्रदाय व्यवस्था एवं प्रचलित योजनाओं में निर्माण कार्यो की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी नगरीय निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारी एवं उपयंत्री उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टार श्री चंद्रा ने परियोजना अधिकारी, जिला शहरी विकास अभिकरण को, सभी नगरीय निकायों में अमृत 2.0 योजनान्तर्गत चल रहे वाटरबॉडी के सभी निर्माण कार्यो का भौतिक सत्यापन कर, निरीक्षण रिर्पोट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। बैठक में कलेक्टर श्री चंद्रा ने अमृत 2.0, कार्याकल्प 1.0 एवं 2.0 तथा मुख्यमंत्री

अधोसंरचना विकास योजना के निर्माण कार्यो की निकायवार समीक्षा की और प्रचलित निमार्ण कार्यो को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा, कि सभी नगरीय निकाय 31 जुलाई से लेकर 31 अगस्त 2025 तक सभी प्रचलित निर्माण कार्य पूर्ण कराएं और अप्रारंभ कार्यो को शीघ्र प्रारंभ कराये। कलेक्टर ने निर्देश दिए, कि प्रधानमंत्री आवास योजना 1.0 बीएलसी घटक के प्रचलित आवासों का कार्य सभी नगरीय निकाय 31 जुलाई 2025 तक शतप्रतिशत पूर्ण करावे तथा नगरीय निकाय प्रधानमंत्री आवास योजना अन्तर्गत 2.0 के समस्त हितग्राहियों के जिनके जीयो टेगिंग लंबित है उनकाकार्य 25 जून 2025 तक पूर्ण करें तथा अपात्र हितग्राहियों के आवेदन रिजेक्ट करे। नगरीय निकाय के करो की वसूली की समीक्षा में पाया गया है, कि नगरीय निकायों द्वारा अभी संतोषजनक वसूली का कार्य नहीं किया गया है। करों की वसूली संतोषजनक नही होने से सभी नगरीय निकायों को प्रतिमाह 10 प्रतिशत बकाया वसूली करने के निर्देश दिये गये। वसूली की नवीन मांग को नवीन जारी निर्देशो के अनुसार निर्धारण कर, मांग कायम करने के निर्देश दिये गए। बैठक में बताया गया, कि नगरीय निकायो में समग्र ईकेवायसी कुल 66602 किया जाना शेष है। नगरीय निकायों को निर्देशित किया गया है जो हितग्राही अनुपस्थित है, शिप्टेड है तथा मृत्यु हो चुकी है उनके नाम 30 जून तक डिलिट करने का कार्य बीएलओं से समन्वय कर पूर्ण करावे। शेष समग्र ईकेवायसी का कार्य 30 जून 2025 तक पूर्ण करने के निर्देश सभी सीएमओं को दिए गए। बैठक में परियोजना अधिकारी शहरी विकास श्री चंद्रसिह धार्वे एवं सभी सीएमओ उपस्थित थे।

सोयाबीन की बुआई रिज़ फरो पद्धति से करने के लिए किसानों को जागरूक कर बुवाई करवाएं

600 किसानों को रिज़ फरो पद्धति से बुआई के लिए कृषि यंत्रों को अपडेट करवाए, कलेक्टर ने कृषि विभाग की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

नीमच, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। जिले में इस खरीफ सीजन में अधिकाधिक किसानों को रिज़ फरों (मेड़-नाली) पद्धति से सोयाबीन की बुआई करने के लिए जागरूक कर, बुवाई करवाए।प्रत्येक विकासखण्ड में 200-200 कुल 600 किसानों के कृषि यंत्रों को रिज़ फरों पद्धति से बुवाई के लिए अपडेट करवाकर, बुवाई करवाएं। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने गुरूवार को कृषि विभाग के जिला विकासखण्ड एवं मैदानी अधिकारी कर्मचारियों की बैठक में विभागीय समीक्षा करते हुए दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, उप संचालक कृषि श्री भगवान सिह अर्गल भी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर ने जे.फार्म एप्प

पर किसानों का पंजीयन करवाने के लिए क्षैत्रीय अमले को प्रशिक्षित कर, सभी किसानों के कृषि यंत्रों का भी पंजीयन करवाने के निर्देश दिए। साथ ही पंचायत स्तर पर आयोजित होने वाली कृषि संगोष्ठी में भी जे.फार्म एप्पन के बारे में किसानों को जागरूक कर पंजीयन के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए गये। बैठक में नैनो यूरिया की 50 हजार बाटल किसानों को वितरण का लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने ए.आई.एफ.के तहत 200 करोड़ का लक्ष्य निर्धारित कर उसकी पूर्ति की कार्ययोजना बनाने के निर्देश उप संचालक कृषि को दिए। पशुचारे के लिए 1000 किसानों को ज्वार बीज वितरण का लक्ष्य तय कर बीज वितरण के करने के निर्देश दिए। बैठक में जिले में इस वर्ष 20 हजार हेक्टेयर में किसानों की ड्रीप व स्प्रींकक्लर उपलब्ध करवाने और इसके लिए प्रकरण तैयार करवाने के निर्देश दिए। हेप्पीहसीडर व सुपर सीडर प्रदान करने के लिए 25-25 किसानों का जिले में कुल 75 किसानों का लक्ष्य निर्धारित कर 30 जून तक पात्र किसानों के प्रकरण तैयार करवाने के निर्देश भी उप संचालक कृषि को दिए। कृषि टर्म लोन के लिए जिले में 750 किसानों को ड्रीप, स्प्रींलक्लर व कृषि यंत्रों के लिए ऋण उपलब्ध कराने के लिए प्रकरण तैयार कर जिला सहकारी बैंक को प्रस्तुत करने के निर्देश कलेक्टर ने दिए। कलेक्टर ने उपसंचालक कृषि को नरवाई प्रबंधन के लिए स्ट्रास रीपर पर अनुदान का प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए हैं।

मंदसौर में मानसून का जोरदार आगाज

जिले भर में बारिश का दौर, कभी बूंदाबांदी तो कभी झमाझम बारिश

गर्मी से राहत, दिनभर छाए रहे बादल

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर में गुरुवार को मानसून का जोरदार आगाज हुआ। इंद्रदेव दशपुरवासियों पर प्रसन्न नजर आए। गुरुवार को मंदसौर में बारिश अलर्ट घोषित किया गया था। मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार ही मौसम ने रंग दिखाया। सुबह से ही समूचे अंचल में बारिश का दौर जारी रहा। मंदसौर की बात करें तो सुबह से कभी तेज तो बूंदाबांदी के रूप में बारिश का दौर चलता रहा। दिनभर आसमान पर बादल छाए रहे। बारिश के चलते गर्मी का असर काफी कम हुआ। इस दौरान शहर में जगह - जगह पानी भी जमा हो गया। जिससे यातायात भी प्रभावित हुआ। मंदसौर के अलावा रतलाम और नीमच सहित प्रदेशभर में कई जगहों पर बारिश का दौर चला। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, दो लो प्रेशर एरिया (कम दबाव का क्षेत्र) और तीन साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम एक्टिव है। इस वजह से अगले चार दिन तक प्रदेश के कई जिलों में तेज बारिश का अलर्ट है। कहीं अति भारी तो कहीं भारी बारिश हो सकती है। यानी, 24 घंटे के दौरान ढाई से 08 इंच तक पानी बरस सकता है।

सड़के बनी तालाब, तापमान में गिरावट–मंदसौर शहर सहित आस पास के क्षेत्रों से ऑरेंज अलर्ट के बीच बुधवार शाम से गुरुवार सुबह तक जबरदस्त बारिश हुई। जिले में घने काले बादल छाए हुए हैं। पिछले दिनों नगर के साथ जिले भर में भीषण गर्मी से लोग परेशान थे। लेकिन, बीते 02 दिनों से बारिश ने दस्तक दे दी है। गरोठ, नाहरगढ़, सीतामऊ, पिपलिया मंडी, मल्हारगढ और दलौदा सहित आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों में बादल छाए रहे। शहर के नयापुरा रोड और संजीत रोड स्थित कॉलोनियों में सड़क पर पानी जमा होने की खबर है। ये समस्या शहर का ड्रेनेज सिस्टम ठीक नहीं होने की वजह से उत्पन्न हो रही है। साथ ही बारिश के आते ही संजीत नाका क्षेत्र की सड़क उखड़ने लगी है। बारिश के बाद से मौसम ठंडा हो गया है। बुधवार को दिन का तापमान 29.8 और रात का पारा 24.5 डिग्री तक पहुंच गया। मौसम विभाग ने जिले में इस बार सामान्य से ज्यादा बारिश की संभावना जताई गई है।

गरोठ: मानसून की पहली बारिश, खरीफ बुआई की तैयारी–गरोठ, शामगढ़ और भानपुरा क्षेत्र में गुरुवार को मानसून की पहली बारिश दर्ज की गई। रात से शुरू हुई बारिश सुबह तक जारी रही। आसमान में बादल छाए रहे और रिमझिम बारिश होती रही। क्षेत्र के किसानों ने खरीफ फसल की बुआई की तैयारियां पूरी कर ली हैं। खेतों में हल चलाने का काम समाप्त हो चुका है। किसान अब बीज बोने की तैयारी में हैं। मौसम विभाग ने 16 जून से मानसून आगमन की भविष्यवाणी की थी। अब मध्य प्रदेश के कई हिस्सों में मानसूनी बारिश शुरू हो गई है। गरोठ उपखंड के शामगढ, भानपुरा और आसपास के गांवों में भी बारिश हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार क्षेत्र में 40 इंच से 70 इंच बारिश होने का अनुमान है। तापमान में 03 डिग्री की गिरावट आई है। अधिकतम तापमान 26 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

मनासा: नाले पर दो बाइक सवार बकरी सहित बहे, ग्रामीणो ने बचाया–नीमच जिले में मानसून की पहली बारिश ने किसानों को राहत दी है। 24 घंटे से जिले में रुक-रुककर बारिश हो रही है। खेतों में 4 से 5 इंच तक नमी आ गई है। मनासा, कुकडेश्वर, रामपुरा, जीरन, नयागांव, रतनगढ़, सिंगोली और डीकेन में गुरुवार से बारिश जारी है। किसान खेतों में जुताई कर रहे हैं। कहीं बैलों से तो कहीं ट्रैक्टर से काम चल रहा है। बुधवार रात से हो रही बारिश के कारण छोटी-बड़ी नदियां और नाले उफान पर हैं। नीमच, जावद, मनासा, रामपुरा, सिंगोली और जीरन तहसीलों में तेज बारिश हो रही है। ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों पर बनी पुलियाओं पर पानी भर जाने से यातायात प्रभावित हुआ है। शहरी और ग्रामीण इलाकों में जल जमाव की स्थिति है। कुकड़ेश्वर थाना क्षेत्र के तलाऊ गांव के पास एक कार नाले की पुलिया पार करते समय असंतुलित हुई। मौजूद लोगों ने कार को बहने से बचा लिया। मनासा क्षेत्र के सेमली आंत्री और देथल गांव के बीच नाले पर दो बाइक सवार बकरी सहित बह गए। स्थानीय लोगों ने पानी में कूदकर उन्हें बचाया। प्रशासन ने लोगों को सलाह दी है कि पुलिया पर पानी होने की स्थिति में वहां से न गुजरें और पानी के उतरने का इंतजार करें।

जावद: दो दिन से रुक-रुककर हो रही बारिश–जावद क्षेत्र में पिछले दो दिनों से रुक-रुक कर हो रही बारिश ने किसानों को राहत दी है। गुरुवार सुबह 6 बजे से शुरू हुई हल्की बूंदाबांदी दोपहर में तेज बौछारों में बदल गई। मोरवन, नया गांव, झांतला सहित समूचे क्षेत्र में विशेष रूप से अच्छी बारिश दर्ज की गई। खेतों में 4 से 5 इंच तक नमी पहुंच गई है। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सीपी पचौरी के अनुसार, यदि अगले दो-तीन दिन बारिश जारी रही तो सोयाबीन, मूंग व उड़द की बोवनी तेज हो जाएगी। किसानों को संतुलित मात्रा में बीज बोने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, जिले में अब तक औसतन 2 इंच वर्षा दर्ज की गई है। यह पिछले वर्ष की तुलना में दोगुनी है। विभाग ने आगामी दो दिनों के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

राशन दुकान से गेंहू व चावल कट्टे चोरी

पिपलियामंडी, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। राशन दुकान में रखे 52 कट्टे गेंहू व 18 कट्टे चावल के चोरी हो गए। सोकड़ी कालिका देवी स्व सहायता समूह शासकीय उचित मूल्य दुकान सेल्समेन पूजा पंवार ने पिपलियामंडी थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि सुबह राशन दुकान पर ताला खोला तो गेंहू व चावल कट्टे कम मिले। पिपलियामंडी पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामला जांच में लिया।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन कल

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। राज्य शासन द्वारा 11वां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2025 को आयोजित करने के संबंध मे समस्त जिला कलेक्टरों को निर्देश जारी किये गये है। जारी आदेश में अन्तराष्ट्रीय योग दिवस के लिए जिले की समस्त संस्थाओं को प्रेरित किया जायेगा, सभी कार्यक्रम आयोजकों को अपना पंजीयन कराना होगा। इसका पंजीयन लिंक https://yoga.ayush.gov.in/yoga-sangam पर होगा।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का कार्यक्रम जिले के पंचायत मुख्यालयों तथा पंचायत के अन्य ग्रामों एवं सभी नगरीय निकायों मुख्यालय एवं समस्त वार्डो में जनप्रतिनिधियों के सहयोग से कराया जायेगा। योग दिवस के कार्यक्रम के लिए भारत सरकार द्वारा योग निर्धारित प्रोटोकॉल अनुसार आयोजन होगा। इस कार्यक्रम के लिए जिले में पंतजलि योग संस्थान, श्रीरामचंद्र मिशन हार्टफुलनेस संस्थान, जन अभियान परिषद, म.प्र. योग आयोग एवं अन्य सहयोगी संस्थाओं से संबद्ध योग इन्स्ट्रक्टर/योगा वालेंटियर उपलब्ध है जिनकी सूची पृथक से आयुष विभाग द्वारा प्रदाय की जायेगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. यादव का 21 जून के योग दिवस कार्यक्रम में उद्बोधन का सीधा प्रसारण प्रदेश के समस्त ग्रामों एवं वार्डो में कराया जायेगा। कार्यक्रम सुबह 6 बजे से 7.45 बजे तक आयोजित किया जाएगा। जिसका प्रसारण लिंक म.प्र. जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रदाय किया जायेगा। सभी जिलों मुं उपलब्ध योग प्रशिक्षक एवं वालेंटियर्स को ट्रेंनिग कराने के लिए आयुष विभाग द्वारा ट्रेनिंग मॉडयूल तैयार किया गया है जिसके माध्यम से दिनांक 19 एवं 20 जून को ऑनलाइन ट्रेनिंग की व्यवस्था की जाएगी, जिसकी लिंक आयुष विभाग द्वारा प्रेषित की जायेगी। योग दिवस कार्यक्रम के लिए जिले में योग आयोजन कराने वाली संस्थाओं का अधिकाधिक पंजीयन कराया जाना है। इस हेतु जिले में एक नोडल अधिकारी को नियुक्त किया जाये, नोडल अधिकारी योग दिवस कार्यक्रम उपरांत जानकारी एवं फोटो भारत सरकार के पोर्टल पर भेजने के लिए उत्तरदायी होगा। जिले के समस्त शासकीय सेवको को योग दिवस के नजदीकी कार्यक्रम में सहभागिता के लिए प्रेरित किया जाये।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी को लेकर मेडिकल कॉलेज में हुआ योगाभ्यास सत्र का आयोजन–जिला अधिकारी आयुष डॉ. कमलेश धनोतिया द्वारा बताया गया कि सुंदरलाल पटवा शासकीय मेडिकल कॉलेज और जिला आयुष कार्यालय मन्दसौर के संयुक्त तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम के पुर्व योग अभ्यास किया गया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम की थीम योग फॉर वन अर्थ वन हेल्थ को लेकर प्रचार प्रसार हेतु योग अभ्यास सत्र कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कॉलेज डीन डॉ. शशि गांधी, जिला अधिकारी आयुष डॉ कमलेश धनोतिया, कॉलेज फैकल्टी, आयुष विभाग स्टाफ और 100 से अधिक मेडिकल स्टूडेंट्स ने योग अभ्यास किया।

प्रदेश स्तरीय गौ-शाला सम्मेलन कल

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश स्तरीय गौ-शाला सम्मेलन का आयोजन 20 जून शुक्रवार को दोपहर 12 बजे से मुख्यमंत्री निवास प्रांगण भोपाल में किया जायेगा। सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा पशुपालन एवं डेयरी विकास राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री लखन पटेल शामिल होंगे। सम्मेलन में प्रदेश के समस्त जिलों से शासकीय एवं अशासकीय गौ-शाला संचालकों एवं प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है।

प्रमुख सचिव पशुपालन एवं डेयरी श्री उमाकांत उमराव ने बताया कि सम्मेलन में गौ-शालाओं में गौवंश के व्यवस्थापन के लिए लगभग 50 करोड़ रूपये की राशि अंतरित की जाएगी। आचार्य विद्यासागर जीव दया गौ-सेवा सम्मान योजना के अंतर्गत चयनित गौ-शालाओं एवं संस्थाओं को गौ-सेवा पुरूस्कार प्रदान किए जायेंगे। कार्यक्रम में डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना के हितग्राहियों को हितलाभ वितरण किया जाएगा। सम्मेलन में नवीन गौ-शालाओं को पंजीयन प्रमाण पत्र तथा म.प्र.गौ-संवर्धन बोर्ड एवं दयोदय महासंघ के सहयोग से हितग्राहियों को ट्रेक्टर ट्राली वितरण भी किया जाएगा।

पशुपालन के क्षेत्र में प्रदेश के बढ़ते कदम विषय पर एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी होगा।

10 दिन में नगर की समस्याएं हल हो, नहीं तो नप का घेराव और प्रदर्शन

सुवासरा, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। नगर में गुरुवार को शिवसेना के 58 वे स्थापना दिवस के अवसर पर युवा शिवसेना ने गौ माता को राजमाता का दर्जा दिलाने एवं नगर की मूलभूत सुविधा को दुरुस्त करने के विषय में युवा शिवसेना द्वारा वाहन रैली निकालकर मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सोपा। दोपहर 1 बजे विवेकानन्द खेल स्टेडियम से वाहन रैली प्रारंभ हुई जो नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए सभा चोक पहुंची। यहां युवा शिवसेना के संभागीय एवं जिला युवा शिवसैनिकों के द्वारा सभा को संबोधित किया गया। इसके बाद गौमाता को राजमाता का दर्जा दिलाने और क्षेत्र में हो रही गौ तस्करी पर रोक लगाने की मांग का ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम नायब तहसीलदार पंकज गंगवाल को सौंपा गया।

ये समस्याएं हल नहीं हुई तो होंगे आंदोलन–वहीं नगर की विभिन्न समस्याओं को लेकर भी एक ज्ञापन तहसीलदार को दिया गया। जिसमें 10 दिन का अल्टीमेटम दिया गया। समाधान नही होने पर युवा शिवसेना नगर परिषद का घेराव कर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करेगी। 1.विभिन्न वार्डो में अधूरे सीसी रोड निर्माण कार्यो को जल्द प्रारंभ कर पूर्ण करे। 2.तहसील कार्यालय से गणेश भोजनालय तक डिवाइडर पर लगी स्ट्रीट लाइट प्रारंभ की जाए। 3.नगर के सभी वार्डो की जाम नालियों की सफाई की जाए। 4.नगर के प्रमुख मार्गो पर फैले अवैध अतिक्रमण को हटाया जाए। 5.नगर में घूम रहे अवैध मवेशियों को नगर के बाहर छोड़ा जाए। और नगर के कई वार्डो में आवारा कुत्तों के झुंड से रहवासी परेशान है। इन्हें पकडकर नगर से बाहर छोड़ा जाए। इस दौरान युवा शिवसेना के प्रदेश उपाध्यक्ष रोहित शर्मा, महामन्त्री धीरज ठाकुर, सचिव दिनेश प्रजापत, प्रवक्ता सुनील वर्मा, संभाग अध्यक्ष राजेश पटेल ने सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर युवा शिवसेना जिलाध्यक्ष श्याम सिंह पंवार, जिला महामंत्री शंकर सिंह परिहार, महेंद्र सिंह पंवार, मीडिया प्रभारी उज्जवल जायसवाल, नेपाल सिंह चौहान, दारूसिंह चौहान, लक्षमण सिंह चौहान, जितेंद्र राठौर, सुरेश खींची, सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कांग्रेस संगठन सृजन अभियान का मुख्य उद्देश्य

जिला व प्रदेश में मजबूत संगठन तैयार हो-यादव

केंद्रीय पर्यवेक्षक मनीष यादव, जिला प्रभारी जयवर्धन सिंह, पीसीसी पर्यवेक्षक राजकुमार उपाध्याय ने गरोठ, भानपुरा,मेलखेड़ा ब्लॉकों की बैठक ली

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। पूरे देश में कांग्रेस पार्टी में नई जान डालने के लिए पायलट प्रोजेक्ट के तहत हरियाणा व मध्यप्रदेश में संगठन सृजन अभियान के तहत केन्द्रीय पर्यवेक्षक श्री मनीष यादव,जिला प्रभारी श्री जयवर्धन सिंह,पीसीसी पर्यवेक्षक,राजकुमार उपाध्याय कई दिनों से मंदसौर जिले के हर ब्लॉक में जा कर कार्यकर्ताओं से नए जिला कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए उनकी राय जान रहे हैं। गुरुवार को भानपुरा स्थित शगुन गार्डन में सुबह भानपुरा ब्लॉक की बैठक आयोजित हुई। जिसमें पर्यवेक्षको ने कार्यकर्ताओं,पार्टी पदाधिकारीयो व वरिष्ठ जनों से वन टु वन चर्चा कर उनकी राय जानी।

इस अवसर पर तीनों ब्लॉक की बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय पर्यवेक्षक श्री मनीष यादव ने कहा कि पार्टी के अध्यक्ष श्री मल्लिका अर्जुन खड़गे जी व राहुल गांधी जी की सोच है कि पार्टी को पारदर्शी,मजबूत संगठन कैसे मिले इसी सोच के अनुरूप पार्टी के संगठन सृजन कार्यक्रम चलाया गया है। इस कार्यक्रम में आम कार्यकर्ताओं की राय महत्वपूर्ण हो गई हे। श्री यादव ने कहा कि हमारे नेताओं की सोच के अनुरूप 36 कोम को साथ लेकर चलने वाला ही संगठन के पदों पर बैठे। श्री यादव ने इस अवसर पर कहां की जिले में संगठन की टीम ऐसी मजबूत हो कि जिले में कहीं पर भी किसी के भी उप्पर अन्याय हो उस वक्त वह टीम लड़ाई लड़ने उनके साथ खड़ी नजर आए। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी श्री जयवर्धन सिंह ने कहा कि एक दिन में एक विधानसभा के हर ब्लॉक में बैठक आयोजित की जा रही है जहां पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष पद के दावेदारों के बारे में व संगठन के बारे में कार्यकर्ताओं की राय जानी जा रही है। श्री सिंह ने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व व राहुल जी की दिशा निर्देश के बाद ही हम यहां आए हैं और पार्टी के कार्यकर्ताओं, पदाधिकारीयो और वरिष्ठ जनों से मिल रहे हे। जब हर ब्लॉक की बैठक हो जाएगी तब हम यह रिपोर्ट केंद्रीय नेतृत्व को सौंपेंगे और उसके बाद ही जिला कांग्रेस अध्यक्ष पद की ताजपोशी होगी। इस अवसर पर पीसीसी पर्यवेक्षक श्री राजकुमार उपाध्याय ने कहा कि हम पूरे जिले के हर ब्लॉक में कार्यकर्ताओं की राय जानने के बाद हम अपनी रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस व केंद्रीय नेतृत्व को सौंप देंगे। श्री उपाध्याय ने आगे कहा कि हम हर कार्यकर्ताओं से उनकी राय जान रहे हैं कुछ लोग समूह में भी मिल कर अपनी राय रख रहे हैं और हम उनको बारीकी से नोट कर रिपोर्ट बनाकर पार्टी नेतृत्व को सौंप देंगे उसके बाद ही जिला कांग्रेस अध्यक्ष पद की नियुक्ति होगी। इन बैठक के दौरान पर्यवेक्षकों के साथ जिला कांग्रेस अध्यक्ष व विधायक श्री विपिन जैन भी साथ रहे। तीनों ब्लॉक की बैठकों के दौरान जिला कांग्रेस के दावेदार भी उपस्थित रहे। भानपुरा ब्लॉक,गरोठ मेलखेड़ा ब्लॉक की बैठक में सम्मिलित होने वालों में प्रमुख सर्वश्री पूर्व मंत्री सुभाष कुमार सोजतिया भानपुरा ब्लॉक अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह हाडा, गरोठ ब्लॉक अध्यक्ष भवानी शंकर धाकड, मेल खेड़ा ब्लॉक अध्यक्ष कारण सिंह रावत, भानपुरा जनपद अध्यक्ष विजय पाटीदार, भानपुरा नगर परिषद अध्यक्ष शिव भानपिया, तूफान सिंह किशन सिंह पार्टी ललित चंदेल कचरू लाल मगर प्रकाश पटेल,जाकिर हुसैन, सुभाष बागडी शीतल भूटानी,दर्शन वधवा,ललित चंदेल, कैलाश चौधरी, त्रिलोक पाटीदार, जगदीश प्रजापत, सुरेश पाटीदार, रामेश्वर रावत, सुनील मिश्रा, राम सिंह जादौन सहित भानपुरा व गरोठ में आयोजित बैठको मे बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। लोकसभा में प्रतिपक्ष नेता व पार्टी के नेता राहुल गांधी के जन्मदिन पर पर्यवेक्षकों के हाथों भानपुरा शासकीय अस्पताल में फल फ्रूट का वितरण किया गया ,वहीं गरोठ में गौशाला में पर्यवेक्षकों के हाथों गायों को हरा चारा खिलाया गया।

मास्टर प्लान आमजन का हो, न कि प्रभावशाली व्यक्तियों का-सिसोदिया

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसोदिया ने मन्दसौर मास्टर प्लान 2041 को लेकर नगर एवं ग्राम निवेश विभाग (टीएनसीपी) की कार्यशैली पर कड़ा ऐतराज जताया है। उन्होंने कहा कि मास्टर प्लान प्रभावशाली लोगों के हित में नहीं, बल्कि आम मन्दसौरवासी के हितों के अनुरूप तैयार होना चाहिए, तभी उसका वास्तविक लाभ शहर को मिल सकेगा।

उन्होंने आरोप लगाया कि टीएनसीपी द्वारा पूर्व में आयोजित बैठकों की कार्यवाही तक जिला प्रशासन को नहीं सौंपी जा रही, जिससे विभाग की मंशा पर सवाल खडे हो रहे हैं। पूर्व विधायक ने कहा कि मास्टर प्लान का उद्देश्य समग्र शहर के विकास को केंद्र में रखते हुए योजनाएँ बनाना होना चाहिए, न कि चुनिंदा कॉलोनियों को लाभ पहुँचाना या पहले से बसे लोगों को विस्थापन की चिंता में डालना। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि केशवकुंज, यशनगर, मेघदूत एवं कलेक्ट्रेट रोड जैसी कॉलोनियों में अब 100 फीट चौड़ी सड़क प्रस्तावित कर दी गई है, जबकि ये कॉलोनियाँ विभागीय अनुमति से वर्षों पूर्व विकसित की जा चुकी हैं। इससे इन क्षेत्रों में बसे लोगों के मकान खतरे में आ गए हैं। श्री सिसोदिया ने रिंग रोड योजना में हुए बदलावों पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि पहले जो रिंग रोड साबाखेड़ा फंटा, इंडस्ट्रियल एरिया, जग्गाखेड़ी और कुमकुम गार्डन होते हुए हाईवे से जुडती थी, अब उसे महज़ लाभमुनि मार्ग तक सीमित कर दिया गया है, जो रिंग रोड के मूल उद्देश्य के साथ अन्याय है। शहर के संतुलित विकास के लिए उन्होंने सुझाव दिया कि नयापुरा से डिगांव तक एक नया मार्ग विकसित किया जाए, जिससे मन्दसौर का विस्तार सभी दिशाओं में समान रूप से हो। यह मॉडल इंदौर की तरह संतुलित और व्यावहारिक होगा। श्री सिसोदिया ने स्पष्ट किया कि मास्टर प्लान मन्दसौर के भविष्य की आधारशिला है, और इसमें हर नागरिक की आवाज़ और जरूरतों का समावेश अनिवार्य है, न कि केवल कुछ प्रभावशाली वर्गों की प्राथमिकताओं का।

एलडीएम सभी योजनाओं के लक्ष्य सभी बैंकों को साझा करें-कलेक्टर

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग की अध्यक्षता में डीएलसीसी की बैठक सुशासन भवन सभागार में आयोजित की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर ने एलडीएम को निर्देश देते हुए कहा कि जिन विभागों को 2025-26 में योजनाओं के जो लक्ष्य मिले हैं। लक्ष्य सभी बैंकों को साझा करें। सभी विभाग प्रमुख बैंकों के साथ समन्वय करके लक्ष्य पूर्ण करें। इसके साथ ही बैठक के दौरान मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, उद्यम क्रांति योजना, मछुआ क्रेडिट कार्ड, आचार्य विद्यासागर योजना, साथ ही अन्य सभी विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं के लक्ष्य एवं आगामी कार्यवाही के संबंध में निर्देश दिए गए। सेंट्रल बैंक द्वारा संचालित जिला रोजगार प्रशिक्षण संस्थान के संबंध में कहा कि युवाओं को कंप्यूटर का प्रशिक्षण प्रदान करें। बेसिक कंप्यूटर सिखाए। उद्योग विभाग एमएसएमई अंतर्गत जितने भी लक्ष्य मिले हैं, उसके अनुसार आगामी कार्यवाही करें। ज्यादा से ज्यादा लोगों को इसका लाभ प्रदान करें। बैठक के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन, लीड बैंक मैनेजर, सभी बैंकर्स, विभाग प्रमुख मौजूद थे।

पुष्पांजली (उठावना)

हमारे पूज्य पिताजी श्री विजयसिंह जी चौहान सेवानिवृत्त प्राचार्य (पिता स्व. श्री जगन्नाथ सिंह जी चौहान) का स्वर्गवास बुधवार, 18 जून 2025 को हो गया है। पुष्पांजली (उठावना) शुक्रवार, 20 जून 2025, को सुबह 11 बजे आनंद मांगलिक भवन, नरसिंह घाट, श्रीजी पार्क के पास, मंदसौर पर रखी गयी है।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻

अजयसिंह चौहान, राजेशसिंह चौहान (पुत्र), रजत प्रताप सिंह चौहान, तन्मय सिंह चौहान, शिवम प्रताप सिंह चौहान (पौत्र) एवं समस्त चौहान परिवार

इंदौर के मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर त्वचा रोग विशेष एवं डर्मेटोलेजर सर्जन

डॉ. परीक्षित शर्मा

एम.डी. (स्कीन)

शनिवार दिनांक 21 जून को शाम 5 से रात 8 और रविवार 22 जून को सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक उपलब्ध रहेंगे।

सुविधाएं-✻ चेहरे के कील-मुहासे, चोट व चेहरे के निशान, ऑखों के नीचे कालापन, चेहरे व हाथों का कालापन, ✻ एक्जीमा, सोरियासिस, सफेद दाग का इलाज व सर्जरी, ✻ शरीर पर तिल व मस्सों (Warts) को मशीन द्वारा हटाना, ✻ गर्भावस्था में होने वाले स्ट्रेचमार्क्स की चिकित्सा, ✻ असमय झड़ते बालों का आधुनिक पद्धति से ईलाज, ✻ शरी पर टेटू (गोदना) को मशीन द्वारा हटाना, ✻ लेजर मशीन द्वारा अनचाहे बालों से छुटकारा, ✻ बच्चों व बुजुर्गो की त्वचा संबंधित समस्याएं, ✻ नाखुन में होने वाले रोगों का उपचार, ✻ सौन्दर्य परामर्श (Cosmetic Consultation)

करजूवाला कम्पाउण्ड, पमनानी हॉस्पिटल के पीछे, स्टेशन रोड़, मंदसौर सम्पर्क-9424813088

नाम परिवर्तन

मेरे नाम से आरटीओ कार्यालय मंदसौर से ड्रायविंग लायसेंस बना होकर मेरा लायसेंस नम्बर एमपी 14 आर-2021-0119758 है। ड्रायविंग लायसेंस में मेरा नाम MOHAMMAD AHASAIN दर्ज कर रखा है जबकि मेरा वास्तविक नाम एहसान मोहम्मद AHSAN MOHAMMAD है जो मेरे जाति प्रमाण पत्र एवं मूल निवासी प्रमाण पत्र आदि दस्तावेजी प्रमाण पत्र में दर्ज है अतः नाम सुधार करवाया जावें।

✻✻✻ भवदीय ✻✻✻

एहसान मोहम्मद, ग्राम बसई, तहसील सुवासरा, जिला-मंदसौर

✻✻✻✻ विज्ञप्ति ✻✻✻✻

मुझ शपथकर्ता का नाम मेरे नाम से बने आधार कार्ड में मेरा नाम शिवपालसिंह चुण्डावत नाम दर्ज है तथा आरटीओ कार्यालय मंदसौर मेरे नाम से ड्रायविंग लायसेंस बना होकर उक्त ड्रायविंग लायसेंस नम्बर एमपी 14 आर-2021-0093368 मेरा नाम शिवपालसिंह पिता रामसिंह चुडावत (SHIVPAL SINGH S/o RAM SINGH) नाम दर्ज है। मुझ शपथ कर्ता के नाम से बने ड्रायविंग लायसेंस में मेरा नाम शिवपालसिंह पिता रामसिंह (SHIVPAL SINGH S/o RAM SINGH) तथा अब मेरे नाम से बने आधार कार्ड में दर्ज नाम अनुसार शिवपालसिंह चुण्डावत पिता रामसिंह चुण्डावत (SHIVPAL SINGH CHUNDAWAT S/o RAM SINGH CHUNDAWAT) ड्रायविंग लायसेंस में सुधार करवाने के लिए आरटीओ कार्यालय मंदसौर में प्रस्तुत कर रहा हूं। मेरे दोनों नाम की जानकारी असत्य पाये जाने पर समस्त जवाबदारी मेरी स्वयं की रहेगी।

✻✻✻✻✻✻✻ भवदीय ✻✻✻✻✻✻✻

शिवपालसिंह चुण्डावत पिता रामसिंह चुण्डावत

निवासी-हरसोल, तहसील मल्हारगढ़, जिला-मंदसौर (म.प्र.)

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी, जल संसाधन उपसंभाग, सुवासरा, जिला-मंदसौर (म.प्र.)

पत्र क्रं./200/राजस्व/2025 सुवासरा, दिनांक-16.06.2025

✻✻✻ विज्ञप्ति संशोधन ✻✻✻

इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 192/राजस्व/2025, सुवासरा, दिनांक-09.06.2025 अनुसार जारी विज्ञप्ति की दिनांकों एवं शर्तों में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है-

1. नीलामी की कार्यवाही दिनांक 23.06.2025 से 27.06.2025 तक की जावेगी।
2. बोली हेतु नीलामी फार्म कार्यालयीन समय में दिनांक 23.06.2025 से 26.06.2025 को शाम 05.00 बजे तक प्राप्त किये जा सकेंगे।
3. नीलामी कार्य हेतु मुहर बंद लिफाफे दिनांक 23.06.2025 से दिनांक 27.06.2025 को दोपहर 03.00 बजे तक जमा किये जा सकेंगे।
4. नीलामी में प्राप्त मुहर बंद लिफाफों को दिनांक 27.06.2025 समय 03.30 बजे से शाम 05.00 तक कार्यालय में उपस्थित लोगों के समक्ष खोला जावेगा।
5. मुहर बंद लिफाफे में प्रस्तुत बोलियों में उच्चतम बोली ही स्वीकृत की जावेगी। स्वीकृति पश्चात बोलीकर्ता को पूरी स्वीकृत रकम दिनांक 30.06.2025 को शाम 05.00 बजे के पूर्व जमा करना होगी। न जमा करने पर अमानत राशि की रकम राजसात कर ली जावेगी एवं द्वितीय उच्चतम बोलीकर्ता को कार्य आवंटित किया जावेगा।

नीलामी प्रक्रिया में शेष शर्ते एवं कार्यवाही यथावत रहेगी। नीलामी में अधिक जानकारी हेतु कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी जल संसाधन उपसंभाग सुवासरा (केम्प आफिस, मंदसौर) में कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर प्राप्त की जा सकती है।

(समरथ पंवार)
अनुविभागीय अधिकारी,
जल संसाधन उपसंभाग, सुवासरा

G-14521/25 सड़क सुरक्षा के नियमों को जानो, सुरक्षित यात्रा की आवश्यकता पहचानो।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356

समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है।

फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in